Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 77
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.0
बुधवार, 25 मार्च, 2026

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 खरात प्रकरण में भोंदू बाबा अशोक को किसी ... 4 भूलना कमजोरी नहीं, दिमाग की ताकत है.... 7 आईपीएल 2026 : गुजरात टाइटंस की ...

संक्षिप्त न्यूज

कॉलेजियम ने आठ जजों की स्थायी नियुक्ति को दी मंजूरी, लंबित मामलों के निपटारे में आएगी तेजी

नई दिल्ली। न्यायपालिका में बड़े फैसले के तहत सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने दो हाईकोर्ट के आठ अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी जज बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले को न्यायिक व्यवस्था को मजबूत करने और लंबित मामलों के निपटारे में तेजी लाने के तौर पर देखा जा रहा है। कॉलेजियम की बैठक में यह अहम निर्णय लिया गया।

कॉलेजियम की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने की। उन्होंने मद्रास हाईकोर्ट और छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में नियुक्त अतिरिक्त जजों को स्थायी बनाने का फैसला लिया। मद्रास हाईकोर्ट के लिए न्यायमूर्ति आर पूर्णिमा, एम जोथिरामन और ऑगस्टीन देवदास मारिया क्लेटे के नाम मंजूर किए गए। वहीं, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के लिए न्यायमूर्ति सचिन सिंह राजपूत, राधाकिशन अग्रवाल, संजय कुमार जायसवाल, बिभू दत्ता गुरु और अमितेंद्र किशोर प्रसाद को स्थायी जज बनाने की स्वीकृति दी गई।

कौन-कौन बने स्थायी जज?

मद्रास हाईकोर्ट में तीन और छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में पांच जजों को स्थायी नियुक्ति दी गई है। ये सभी पहले अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे और अब इन्हें पूर्णकालिक स्थायी जज के रूप में जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। यह नियुक्ति उनके कामकाज और अनुभव को देखते हुए की गई है।

क्या होता है अतिरिक्त से स्थायी जज बनने का मतलब?

अतिरिक्त जजों को आमतौर पर सीमित अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है। उनके प्रदर्शन और जरूरत के आधार पर कॉलेजियम उन्हें स्थायी जज के रूप में नियुक्त करता है। स्थायी जज बनने के बाद उन्हें लंबी अवधि तक न्यायिक जिम्मेदारियां निभाने का अवसर मिलता है और अदालत की स्थिरता बढ़ती है।

सहमति के अभाव और प्रक्रियात्मक जटिलताओं से अटक सकता है फैसला

महिला आरक्षण कानून में संशोधन में हो सकती है देरी, समय से पहले खत्म हो सकता है सत्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा की सीट को बढ़ाकर 816 करने के लिए तत्काल विधेयक लाने की संभावना नहीं है, क्योंकि संसद का मौजूदा सत्र निर्धारित अवधि से पहले ही स्थगित हो सकता है, लेकिन सत्रावसान नहीं किया जाएगा ताकि अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद इसे फिर से बुलाये जाने का विकल्प खुला रहे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। लोकसभा में सीट की संख्या बढ़ाने का उद्देश्य 273 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित करना है।

सूत्रों ने बताया कि लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 816 करने और उनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक अगले कुछ दिनों में पेश होने की संभावना बहुत कम है। मंगलवार शाम तक इस विधेयक के मसौदे को केंद्रीय मंत्रिमंडल के

सामने रखने का कोई प्रस्ताव नहीं था। बताया गया है कि इस मुद्दे पर अभी सभी दलों के साथ पूरी तरह बातचीत नहीं हुई है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कुछ दलों के नेताओं से चर्चा की है, लेकिन कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के साथ अभी बातचीत बाकी है। सूत्रों के अनुसार, मौजूदा बजट सत्र 2 अप्रैल से पहले ही स्थगित किया जा सकता है। हालांकि, सत्र को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जाएगा, ताकि जरूरत पड़ने पर इसे दोबारा बुलाया जा सके। सरकार अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद सत्र फिर से बुलाने के विकल्प पर विचार कर रही है। इन चुनावों के नतीजे 4 मई को आएंगे।

2023 में इस कानून को मिली थी मंजूरी

महिला आरक्षण का प्रावधान 2023 में संविधान संशोधन के जरिये लाया गया था, जिसमें लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान है। यह व्यवस्था सीमांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद लागू होगी। प्रस्ताव के अनुसार, लोकसभा की कुल सीटें बढ़ाकर 816 की जा सकती हैं और इनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए आरक्षित सीटों में भी महिलाओं को आरक्षण दिया जाएगा। नए सीमांकन का आधार 2011 की जनगणना होगी और राज्यों की विधानसभाओं में भी इसी तरह सीटों का बंटवारा किया जाएगा। संसद से मंजूरी मिलने के बाद ये बदलाव 31 मार्च 2029 से लागू हो सकते हैं। सितंबर 2023 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इस कानून को मंजूरी दी थी।

नवरात्रि का सातवां दिन

मां कालरात्रि

नवरात्रि के 7वें दिन , भक्त मां कालरात्रि-हिंदू देवी दुर्गा के सातवें रूप की पूजा करते हैं. इस दिन भक्त देवी सरस्वती की पूजा भी करते हैं. नवरात्रि के सातवें दिन नवग्रह की पूजा भी की जाती है। मॉं कालरात्रि को नवदुर्गा का सबसे क्रूर अवतार माना जाता है और उन्हें अज्ञानता को नष्ट करने और ब्रह्मांड से अंधकार को दूर करने के लिए जाना जाता है.

मां कालरात्रि पूजा विधि

काल का नाश करने वाली मां कालरात्रि की पूजा मध्यरात्रि(निशिता काल मुहूर्त) में शुभफलदायी मानी गई है. देवी कालरात्रि को कुमकुम का तिलक करें. लाल मौली, गुड़हल या रात रानी के पुष्प चढ़ाए. मां कालरात्रि को गुड़ का प्रसाद अति प्रिय है. 'ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं दुर्गति नाशिन्यै महामायायै स्वाहा।' का यथाशक्ति जाप करें. अंत में कपूर की आरती करें फिर गुड़ के भोग का एक हिस्सा ब्राह्मणों और दूसरा परिवारजनों को बांट दें. कहते हैं इस विधि से मां कालरात्रि की बहुत प्रसन्न होती है और रोग, शोक, शत्रु, भय, और आकस्मिक घटनाओं से साधक की रक्षा करती है.

प्रिय रंग - नीला
प्रिय भोग - गुड़

मां कालरात्रि के उपाय

रात्रि के समय लाल रंग के वस्त्र पहनकर मां कालरात्रि के समक्ष दीपक जलाएं. 11 नीबुओं की माला और गुड़हल की फूल की माला पहनाएं . अब 108 बार देवा कालरात्रि के सिद्ध मंत्र 'ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चै ऊं कालरात्रि दैव्ये नमः।' का जाप करें. हर मंत्र के बाद एक लौंग देवी को अर्पित करते जाएं. अंत में सभी लौंग अग्नि में डाल दें. मान्यता है इससे दुश्मन शांत होगा और कोर्ट कचहरी के मामले में स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी. देवी कालरात्रि की उपासना से शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के प्रभाव भी कम होते हैं.

मां कालरात्रि के मंत्र

क्लीं ऐं श्रीं कालिकायै नमः
'ॐ फट् शत्रून साघय घातय ॐ।'
ॐ कालरात्र्यै नमः
एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी तैलाभ्यक्त शरीरिणी।।
वामपादोल्लसल्लोह लताकण्टकभूषणा।
वर्धन मूर्धध्वजा कृष्णा कालरात्रिर्भयङ्करी।।

पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार का बड़ा ऐलान- पेट्रोल-डीजल का पूरा स्टॉक, घबराने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच देश में पेट्रोल, डीजल और गैस की उपलब्धता को लेकर लोगों में चिंता देखी जा रही है, लेकिन सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की घबराने वाली स्थिति नहीं है।

नई दिल्ली में आयोजित अंतर-मंत्रालयी बैठक में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से कार्य कर रही हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक खरीदारी से बचें।

सरकार के अनुसार, रसोई गैस के घरेलू उत्पादन को भी बढ़ाया गया है। हालांकि वैश्विक परिस्थितियों के कारण आपूर्ति पर कुछ असर पड़ा है, लेकिन बड़ी मात्रा में गैस की खेप रास्ते में है और किसी

भी वितरण केंद्र पर कमी की स्थिति नहीं है।

सरकार ने शहरों में गैस वितरण कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि जहां पाइपलाइन की सुविधा उपलब्ध है, वहां पांच दिनों के भीतर आवासीय स्कूलों, कॉलेजों, सामुदायिक रसोई और आंगनवाड़ी केंद्रों को पाइप गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए। जानकारी के अनुसार, हाल ही में लगभग 7500 नए घरेलू और व्यावसायिक गैस कनेक्शन भी प्रदान किए गए हैं।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि देश के किसी भी बंदरगाह पर भीड़भाड़ की स्थिति नहीं है और समुद्री व्यापार सामान्य रूप से जारी है। भारतीय ध्वज वाले दो गैस वाहक जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर चुके हैं और देश की ओर आ रहे हैं, जिनमें बड़ी मात्रा में गैस लाई जा रही है।

विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव असीम आर महाजन ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर सरकार लगातार नजर रखे हुए है और वहां रह रहे भारतीयों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। 28 फरवरी से अब तक चार लाख से अधिक लोग खाड़ी देशों से भारत लौट चुके हैं और आगे भी बड़ी संख्या में उड़ानें संचालित होने की संभावना है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बातचीत की है। उन्होंने अमेरिका और श्रीलंका के अपने समकक्षों से पश्चिम एशिया की स्थिति और उसके वैश्विक आर्थिक प्रभाव, विशेषकर ऊर्जा सुरक्षा, पर चर्चा की है।

चंडीगढ़ में इंसाफ की मांग को लेकर आगे बढ़े सरबजीत सिंह झिंझर, कर रहे इंसाफ की मांग

चंडीगढ़ (एजेंसी)। इंसाफ की मांग को लेकर चल रहे प्रदर्शन के दौरान अकाली नेता सरबजीत सिंह झिंझर उस समय चर्चा में आ गए जब उन्होंने बैरिकेड पार कर अपनी आवाज बुलंद की। यह प्रदर्शन पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग को लेकर किया जा रहा था। सरबजीत सिंह झिंझर लगातार इस मुद्दे पर खुलकर बोलते रहे हैं और इंसाफ की मांग को लेकर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। बैरिकेड पार करने की उनकी कोशिश को उनके समर्थक एक मजबूत और साहसिक कदम के रूप में देख रहे हैं जो न्याय के लिए उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

हालांकि पुलिस ने उन्हें सोमवार आगे बढ़ने से रोकते हुए कुछ समय के लिए हिरासत में भी लिया। इस दौरान बैरिकेड के पास हल्की झड़प और

धक्का-मुक्की भी देखने को मिली जिससे कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि झिंझर का उद्देश्य केवल इंसाफ की मांग को मजबूती से उठाना था। उनकी इस कार्रवाई ने एक बार फिर यह दिखाया है कि वे अपने मुद्दों को लेकर गंभीर हैं और पीछे हटने वालों में से नहीं हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है लेकिन इस घटनाक्रम के बाद सियासी माहौल में हलचल तेज हो गई है और इंसाफ की मांग को लेकर बहस और भी तेज होती नजर आ रही है।

बता दें कि गगनदीप सिंह रंधावा आत्महत्या मामले में बड़ा मोड़ सामने आया है। पुलिस ने इस केस में कार्रवाई करते हुए पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर को गिरफ्तार कर लिया है। 21 मार्च को हुई रंधावा की आत्महत्या के बाद से ही यह मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ था। मामले ने तब गंभीर रूप ले लिया जब मृतक का आत्महत्या से पहले बनाया गया एक वीडियो सामने आया। इस वीडियो में रंधावा ने अपनी परेशानियों के लिए कथित तौर पर पूर्व मंत्री को जिम्मेदार ठहराया था।

इधर मृतक के परिजनों ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए लालजीत भुल्लर पर उत्पीड़न, धमकी और मानसिक दबाव बनाने के आरोप लगाए थे। परिजनों का कहना है कि लगातार प्रताड़ना के चलते रंधावा ने यह कदम उठाया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत और वायरल वीडियो को आधार बनाकर मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर अब पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी की गई है।

राहुल गांधी का प्रधानमंत्री मोदी पर बड़ा हमला, बोले- हमारी विदेश नीति एक मज़ाक बन गई है

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए भारत की विदेश नीति को 'सर्वव्यापी मज़ाक' और 'व्यक्तिगत नीति' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अमेरिका और इज़राइल के प्रभाव में काम कर रही है, जिससे भारत की कूटनीतिक स्वतंत्रता कमजोर हो गई है।

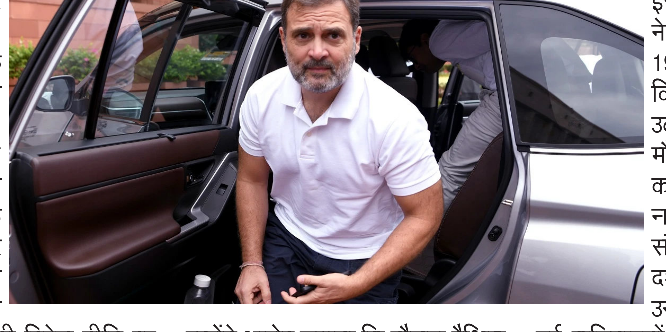

संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री की छवि कमजोर होती है, तो उसका असर देश की विदेश नीति पर भी पड़ता है। उन्होंने दावा किया कि भारत की विदेश नीति अब एक स्वतंत्र रणनीति न रहकर प्रधानमंत्री की व्यक्तिगत नीति बन गई है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

राहुल गांधी ने पश्चिम एशिया संकट के संदर्भ में संसद में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए बयान पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में भारत की भूमिका कमजोर दिख रही है और सरकार बाहरी प्रभावों में निर्णय ले रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की कूटनीतिक स्थिति अब पहले जैसी स्वतंत्र नहीं रही है और अमेरिका तथा इज़राइल जैसे देशों का प्रभाव बढ़ गया है। गांधी ने यह भी दावा किया कि वैश्विक स्तर पर यह धारणा बन रही है कि भारत के निर्णय पूरी तरह स्वतंत्र नहीं हैं।

इसके अलावा राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री द्वारा कोविड-19 महामारी का उल्लेख किए जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मौजूदा संदर्भ में महामारी का ज़िक्र करना उचित नहीं है और यह संवेदनशीलता की कमी दर्शाता है।

उन्होंने महामारी के दौरान हुई कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय देश ने गंभीर संकट का सामना किया था और ऐसे अनुभवों को ध्यान में रखते हुए वर्तमान मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए।

नारी वंदन अधिनियम में बदलाव की तैयारी, खरगे ने सरकार से पूछा- सर्वदलीय बैठक कब?

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नारी वंदन अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। उनका कहना है कि सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन कर महिला आरक्षण लागू करने और लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रही है, जिस पर सभी दलों से विचार-विमर्श जरूरी है।

खरगे ने केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री किरेन रिजिजू को पत्र लिखकर आग्रह किया कि इस महत्वपूर्ण विषय पर सभी राजनीतिक दलों को साथ लेकर निर्णय लिया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार सितंबर 2023 में पारित संविधान संशोधन में एक और संशोधन करने की तैयारी कर रही है, इसलिए इस पर व्यापक चर्चा आवश्यक है।

उन्होंने सुझाव दिया कि बैठक को प्रभावी बनाने के लिए सरकार पहले प्रस्तावित बदलावों का विस्तृत विवरण जारी करे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यह बैठक 29 अप्रैल 2026 को समाप्त हो रहे विधानसभा चुनावों के बाद आयोजित की जाए।

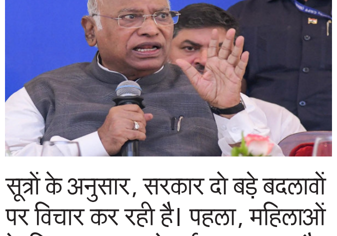

सूत्रों के अनुसार, सरकार दो बड़े बदलावों पर विचार कर रही है। पहला, महिलाओं के लिए आरक्षण को नई जनगणना और परिसीमन से जोड़ा गया था, लेकिन जनगणना में देरी के कारण अब 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करने की योजना है। दूसरा, लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर लगभग 816 करने का प्रस्ताव है।

इन बदलावों के तहत संसद में एक संशोधन विधेयक और अलग से परिसीमन विधेयक लाया जाएगा। महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए इन विधेयकों को संवैधानिक संशोधन के रूप में पारित करना आवश्यक होगा। प्रस्तावित नई लोकसभा में 800 से अधिक सीटें हो सकती हैं, जिनमें लगभग एक तिहाई यानी करीब 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

इस प्रस्ताव में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए अलग से आरक्षण का प्रावधान नहीं है, जबकि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण जारी रहेगा। राज्यों की इसमें सीधी भूमिका नहीं होगी और संसद द्वारा पारित कानून पूरे देश में लागू होगा। सरकार का तर्क है कि देश की आधी आबादी यानी महिलाओं को संसद में उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए जनगणना का इंतजार करना आवश्यक नहीं है।

अजित पवार का प्लेन क्रैश एक सोची-समझी साजिश, जीरो एफआईआर में दावा

नई दिल्ली। बंगलूरू में दर्ज एक जीरो एफआईआर में दावा किया गया है कि 28 जनवरी 2026 को महाराष्ट्र के बारामती एयरपोर्ट के पास हुए प्लेन क्रैश के पीछे एक बड़ी क्रिमिनल साजिश थी, जिसमें उस समय के डिप्टी सीएम अजित पवार और चार अन्य लोग मारे गए थे। एनसीपी(एसपी) विधायक रोहित राजेंद्र पवार ने 23 मार्च को हाई ग्राउंड्स पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया है कि यह क्रैश अजित पवार को खत्म करने की एक सोची-समझी साजिश का नतीजा था। इसमें इस जुर्म के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को आरोपी बनाने की कोशिश की गई है।

बंगलूरू में जीरो एफआईआर दर्ज हाई ग्राउंड्स पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के सेक्शन 61, 103, 105, 106, 125, 238, और 336(2) के तहत एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने बताया कि शिकायत दर्ज करने में देरी इसलिए हुई क्योंकि शिकायतकर्ता ने महाराष्ट्र के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में शिकायत की थी, जहां उसकी शिकायत नहीं मानी गई, जिसके बाद उसने बंगलूरू में जीरो एफआईआर दर्ज कराई।

शिकायत के मुताबिक, क्रैश सुबह 8.43 से 8.45 बजे के बीच हुआ, जब वीएसआर

वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड का चलाया जा रहा बॉम्बार्डियर लियरजेट 45 एयरक्राफ्ट, रजिस्ट्रेशन वीटी-एसएसके, मुंबई से बारामती जाते समय क्रैश हो गया। विमान में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के सेक्शन 173(1) के तहत दर्ज एफआईआर में कहा गया है कि 25 फरवरी को मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन और 26 फरवरी को बारामती पुलिस स्टेशन जाने पर भी एफआईआर दर्ज नहीं हुई, जबकि पुणे सीआईडी ने बताया कि वह सिर्फ एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट एंगल से जांच कर रही है। शिकायतकर्ता ने एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की टेक्निकल जांच से अलग पूरी क्रिमिनल जांच की मांग की है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि यह क्रैश अजीत पवार को खत्म करने की एक सोची-समझी साजिश का नतीजा था। एफआईआर में 24 फरवरी 2026 को डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) के सेफ्टी ऑडिट के नतीजों का हवाला दिया गया है, जिसमें कथित तौर पर वीएसआर एयरक्राफ्ट को लापरवाह और बेकार पाया गया, जिसके कारण उसे ग्राउंडेड कर दिया गया। इसमें आरोप लगाया गया है कि एयरक्राफ्ट वीटी-एसएसके को सेफ्टी स्टैंडर्ड्स का उल्लंघन करते हुए ऑपरेट किया गया था, जिसने लगभग 4,915 घंटे की उड़ान भरी थी, जो 5 हजार घंटे की जरूरी इंजन ओवरहॉल लिमिट के करीब है।

शिकायत में किया गया यह दावा

शिकायत में आगे दावा किया गया है कि मौजूदा फ्लाइट के घंटे 8 हजार से ज्यादा हो सकते हैं, ऑफिशियल लॉगबुक में कम रिपोर्टिंग के साथ; यह मेंटेनेंस रिकॉर्ड में हेराफेरी और एक असुरक्षित एयरक्राफ्ट का लगातार इस्तेमाल है। लैंडिंग के समय मौसम की स्थिति पर भी सवाल उठाए गए हैं। जबकि एक फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन ने विजिबिलिटी का अनुमान 3 हजार मीटर लगाया था, पुणे मेटार डेटा ने कथित तौर पर धुंध के साथ लगभग 2 हजार मीटर दिखाया, और सैटेलाइट इमेजरी में कोहरे के पैच दिखे।

विजुअल फ्लाइट रूल्स के तहत, 5 किलोमीटर से कम विजिबिलिटी पर लैंडिंग की इजाजत नहीं है, फिर भी कथित तौर पर क्लीयरेंस दे दी गई।

विविध उपक्रमों के माध्यम से नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा विश्व क्षय रोग दिवस पर व्यापक जनजागरूकता

दिव्यांश

विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर आज 24 मार्च को क्षय रोग के प्रति व्यापक जनजागरूकता फैलाने के लिए नवी मुंबई महानगरपालिका स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें नवी मुंबई महानगरपालिका विद्यालय क्रमांक 36, कोपरखैरणे गांव के विद्यार्थियों की भागीदारी से क्षय रोग विषयक रैली का आयोजन किया गया। रैली के बाद क्षय रोग पर आधारित जनजागरूकता नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसके माध्यम से बच्चों को क्षय रोग के बारे में वैज्ञानिक जानकारी सरल तरीके से समझाई गई। इस विशेष कार्यक्रम में चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रविण कटके, शहर क्षय रोग अधिकारी डॉ. आरती सिंह गनवीर, चिकित्सा अधिकारी तथा मुख्याध्यापिका श्रीमती दिपाली संख्ये उपस्थित थीं।
इसी प्रकार नवी मुंबई महानगरपालिका सार्वजनिक अस्पताल वाशी में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा अस्पताल में जनजागरूकता नाटक भी प्रस्तुत किया गया। रोटरी क्लब ऑफ मिलेनियम सिटी के माध्यम से जरूरतमंद क्षय रोगियों को पोषण आहार किट वितरित किए गए।

क्षय रोग के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विशेष रूप से बस्ती स्तर पर झुग्गी क्षेत्रों और उच्च जोखिम वाले इलाकों में जनजागरूकता नाटक आयोजित किए गए।
इस अभियान में जनसहभागिता को बढ़ावा देने के लिए डॉ. डी. वाय. पाटील चिकित्सा महाविद्यालय तथा तेरणा चिकित्सा महाविद्यालय के अंतर्गत रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, सम्मेलन, जनजागरूकता नाटक और रोगियों के स्वास्थ्य शिक्षण जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।
सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार दिनांक 24 मार्च 2026 से 'टीबी मुक्त भारत अभियान - 100 दिन अभियान' नवी मुंबई महानगरपालिका स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे, अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार तथा चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत जवादे के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक चलाने की योजना बनाई गई है।
इस अभियान के अंतर्गत उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के लाभार्थियों से क्षय रोग के लक्षणों के बारे में जानकारी लेकर उनकी एक्स-रे जांच की जाएगी। सभी नागरिकों से इस अभियान में सहयोग करने की अपील की गई है।

क्षय रोग एक संक्रामक बीमारी है, जो माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक जीवाणु के कारण होती है और इसका प्रसार श्वसन के माध्यम से होता है। विश्व के कुल क्षय रोगियों में से लगभग 25 प्रतिशत भारत में पाए जाते हैं, और भारत के कुल क्षय रोगियों में से लगभग 10 प्रतिशत महाराष्ट्र में पाए जाते हैं।
वैश्विक स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों के अनुसार वर्ष 2030 तक क्षय रोग का उन्मूलन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी दिशा में देश में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। हर वर्ष 24 मार्च को विश्व स्तर पर 'विश्व क्षय रोग दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।
क्षय रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर वर्ष एक विशेष नारा जारी किया जाता है। इस वर्ष का नारा है – हाँ, हम क्षय रोग को समाप्त कर सकते हैं : नवी मुंबई के नेतृत्व में, जनभागीदारी द्वारा समर्थित।'
क्षय रोग के उन्मूलन के लिए सरकारी और निजी स्वास्थ्य सेवाओं का मिलकर काम करना अत्यंत आवश्यक है। निजी क्षेत्र के सभी अस्पतालों, क्लीनिकों और प्रयोगशालाओं को उनके यहां उपचार करा रहे क्षय रोगियों की जानकारी नवी मुंबई महानगरपालिका को देना आवश्यक है।
नवी मुंबई महानगरपालिका, निजी संस्थाओं और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों से नवी मुंबई को क्षयरोग मुक्त बनाना संभव है। अतः सभी नागरिकों और निजी संस्थाओं से इस दिशा में पूर्ण सहयोग करने की अपील की गई है।

कुंभ मेला 2027 हेतु रेलवे विकास के लिए भूमि अधिग्रहण एवं हस्तांतरण प्रक्रिय सफल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आगामी सिंहस्थ कुंभ मेला 2027, जो 14 जुलाई से 25 सितंबर 2027 तक नाशिक और त्र्यंबकेश्वर में आयोजित होगा, की तैयारी के तहत मध्य रेलवे के भुसावल मंडल द्वारा क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर आधारभूत संरचना और यात्री सुविधाओं के व्यापक अपग्रेड हेतु एक महत्वाकांक्षी एवं समन्वित विकास योजना प्रारंभ की गई है। इस दिशा में श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुविधाजनक, तीव्र एवं आधुनिक यात्रा सुविधाएं प्रदान करने हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।
इसी क्रम में, दिनांक 24 मार्च 2026 को मौजे नारायणगांव, तालुका निफाड, जिला नाशिक में रेलवे परियोजना के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण एवं हस्तांतरण प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण की गई। यह प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, समन्वित एवं विधिसम्मत तरीके से संपन्न हुई, जो स्थानीय प्रशासन, रेलवे अधिकारियों तथा ग्रामवासियों के उत्कृष्ट सहयोग का उदाहरण है।
इस परियोजना के अंतर्गत सर्वेक्षण (गट) क्रमांक 657, 658, 659 (कुल 3 सर्वे नंबर) की भूमि अधिग्रहित की गई। इस प्रक्रिया में कुल 25 किसानों एवं भू-स्वामियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और अमूल्य सहयोग प्रदान किया।
यह उल्लेखनीय उपलब्धि न केवल प्रशासनिक दक्षता को दर्शाती है, बल्कि सामूहिक संकल्प की भावना को भी उजागर करती है। रेलवे प्रशासन ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर तथा किसानों और ज़मींदार के पूर्ण सहयोग से अत्यंत तीव्रता एवं समन्वय के साथ

इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को सुचारू एवं समयबद्ध तरीके से पूरा किया। यह इस बात का प्रमाण है कि कुंभ मेला जैसे पवित्र एवं राष्ट्रीय महत्व के आयोजन की पूर्व संध्या पर विभिन्न हितधारक एक साझा उद्देश्य के साथ एकजुट हुए, जहां विकास और आस्था का संगम हुआ तथा जनहित को प्राथमिकता दी गई।
रेलवे प्रशासन सभी किसानों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है और उनके सकारात्मक सहयोग की सराहना करता है। उनके सहयोग के कारण यह महत्वपूर्ण परियोजना समय पर पूर्ण हो सकी, जिससे आगामी विकास कार्यों को गति मिलेगी।
इस परियोजना के परिणामस्वरूप, कुंभ मेला 2027 के दौरान नाशिक क्षेत्र में रेलवे परिवहन में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिससे लाखों श्रद्धालुओं को सुरक्षित, तीव्र एवं सुविधाजनक यात्रा का अनुभव प्राप्त होगा। साथ ही, यह विकास स्थानीय आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति को भी बढ़ावा देगा। यह परियोजना रेलवे की क्षमता में वृद्धि करेगी, नई सुविधाएं प्रदान करेगी तथा कुंभ मेला अवधि के दौरान भीड़ प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाएगी। इसके अतिरिक्त, यह स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित करेगी और आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करेगी।
समग्र रूप से, मौजे नारायणगांव में भूमि अधिग्रहण एवं हस्तांतरण प्रक्रिया का सफल समापन कुंभ मेला 2027 हेतु रेलवे विकास कार्यों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है तथा आगामी परियोजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए एक मार्गदर्शक उदाहरण प्रस्तुत करता है।
रेलवे प्रशासन भविष्य में भी स्थानीय नागरिकों को विकास कार्यों में सहभागी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और सामूहिक सहयोग के माध्यम से कुंभ मेला 2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन का लक्ष्य रखता है।

वडोदरा मंडल ने गैर-किराया राजस्व में 7.12 करोड़ अर्जित कर बनाया नया कीर्तिमान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल ने मंडल रेल प्रबंधक राजू भडके के कुशल मार्गदर्शन में गैर-किराया राजस्व (Non-Fare Revenue – NFR) के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपने वार्षिक लक्ष्य को पार कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।
पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वडोदरा मंडल ने वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के मार्च माह में अभी तक यानि 24 मार्च तक 7.12 करोड़ का गैर-किराया राजस्व अर्जित किया है, जो कि निर्धारित वार्षिक लक्ष्य 7.00 करोड़ से अधिक है। इसके साथ ही यह उपलब्धि पिछले? वर्ष की इसी अवधि में अर्जित ?6.92 करोड़ के रिकॉर्ड को भी पार करती है।
यह सफलता मंडल द्वारा विभिन्न गैर-किराया राजस्व स्रोतों के प्रभावी उपयोग एवं नवाचारपूर्ण प्रयासों का परिणाम है। इन प्रयासों में रेलवे परिसरों का व्यावसायिक उपयोग,

विज्ञापन, फूड कोर्ट्स, तथा यात्री सुविधाओं का विकास शामिल है।
वडोदरा मंडल भविष्य में भी गैर-किराया राजस्व के नए स्रोत विकसित कर भारतीय रेल की वित्तीय सुदृढ़ता में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

एसटी निगम की 'राजमाता जिजाऊ' बस सेवा का मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा उद्घाटन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन निगम के बेड़े में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त 'राजमाता जिजाऊ' बस सेवा का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस नई बस सेवा का शुभारंभ आज मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा किया गया।
विधान भवन परिसर में आयोजित इस उद्घाटन समारोह में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे, स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे, राज्य मंत्री माधुरी मिसाल, दोनों सदनों के सदस्य, परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय सेठी, एसटी निगम के प्रबंध निदेशक माधव कुसेकर, अशोक लेलैंड के वरिष्ठ प्रबंधक जॉन मैथ्यू, टाटा मोटर्स के वैश्विक प्रमुख सुशांत नाइक आदि उपस्थित थे।

'राजमाता जिजाऊ' बस सेवा

'राजमाता जिजाऊ' नाम से शुरू की गई यह बस सेवा महाराष्ट्र के गौरवशाली इतिहास की याद दिलाती है और राजमाता जिजाबाई के प्रेरणादायक कार्यों को श्रद्धांजलि अर्पित करती है। यह सेवा हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के निर्माण में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली राजमाता जिजाऊ की स्मृति में शुरू की गई है।
इस नई पहल के अंतर्गत राज्यभर में चरणबद्ध तरीके से लगभग 3 हजार बसें शामिल की जाएंगी, जिससे यात्रियों को अधिक सुरक्षित, आरामदायक और आधुनिक यात्रा का अनुभव मिलेगा। एसटी निगम के बेड़े में पहले से ही 'शिवनेरी', 'शिवशाही', 'शिवाई', 'हिरकणी' और 'यशवंती' जैसी सेवाएं उपलब्ध हैं, और 'राजमाता जिजाऊ' बस सेवा इस श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण नई कड़ी साबित होगी। यह पहल राज्य में सार्वजनिक परिवहन को और अधिक सक्षम तथा यात्री-केंद्रित बनाने में सहायक होगी।
मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्री शिंदे और उपमुख्यमंत्री श्रीमती पवार ने बस की पूजा कर तथा फीता काटकर इस सेवा का शुभारंभ किया। उद्घाटन के बाद उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने बस में यात्रा कर इस सेवा की शुरुआत की।
बस के सामने घोड़े पर सवार राजमाता जिजाऊ के प्रतीकात्मक स्वरूप की उपस्थिति के कारण यह उद्घाटन समारोह ऐतिहासिक और प्रेरणादायक बन गया।

कपास खरीद की समय सीमा बढ़ाने के लिए केंद्र से मांग-मंत्री जयकुमार रावल

मुंबई। राज्य के किसानों से अधिक मात्रा में कपास की खरीद हो सके, इसके लिए कपास खरीद प्रक्रिया की समय सीमा आगे बढ़ाने हेतु केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है, ऐसी जानकारी मंत्री जयकुमार रावल ने विधान परिषद में दी।
इस संबंध में सदस्य संजय खोडके ने अल्पसूचना प्रश्न उठाया था।
मंत्री जयकुमार रावल ने बताया कि भारतीय कपास निगम और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से इस सीजन में राज्यभर में बड़े पैमाने पर कपास की खरीद की गई है और लगभग 10,883 करोड़ रुपये की कपास खरीदी गई है। पिछले वर्ष के 128 केंद्रों की तुलना में इस वर्ष लगभग 40 केंद्र बढ़ाकर कुल 168 केंद्रों को मंजूरी दी गई, जिनमें से 162 केंद्र कार्यरत रहे। इन केंद्रों के माध्यम से लगभग 137 लाख क्विंटल कपास की खरीद की गई। खरीद की अंतिम तिथि 27 फरवरी तक थी, जिसे बढ़ाकर 15 मार्च तक किया गया। इस बढ़ी हुई अवधि में अतिरिक्त 9.90 लाख क्विंटल कपास की खरीद की गई।
इस वर्ष कपास के न्यूनतम समर्थन मूल्य में भी वृद्धि की गई। लंबी रेशा वाली कपास का मूल्य प्रति क्विंटल 8,170 रुपये तथा मध्यम रेशा वाली कपास का मूल्य 7,100 रुपये रखा गया। इससे किसानों को पिछले सीजन की तुलना में अधिक लाभ प्राप्त हुआ।
जिलेवार औसत उत्पादन के बजाय राज्य का उच्चतम औसत 23.68 क्विंटल पूरे महाराष्ट्र पर लागू करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इससे प्रत्येक किसान को 23.68 क्विंटल तक कपास बेचने का अवसर मिला और अधिक से अधिक किसानों को कपास खरीद प्रक्रिया में शामिल किया जा सका, ऐसा मंत्री जयकुमार रावल ने बताया।

माजलगांव रेत तस्करी प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए गहन जांच की जाएगी-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बीड जिले के माजलगांव में पुलिस की मिलीभगत से कथित रूप से चल रहे रेत तस्करी प्रकरण में संदेहास्पद तीन व्यक्तियों के मोबाइल फोन जब्त किए गए। इन मोबाइल फोन से हटाया गया डाटा भी आधुनिक तकनीक की सहायता से पुनः प्राप्त किया गया है। हालांकि इस संपूर्ण डाटा का विश्लेषण करने के बाद भी संबंधितों के बीच प्रत्यक्ष मिलीभगत या आपसी संबंध का कोई ठोस प्रमाण नहीं मिला है। फिर भी इस प्रकरण की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए सभी पहलुओं की गहन जांच की जाएगी, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान सभा में कहा।
सदस्य प्रकाश (दादा) सोलंके ने बीड जिले के माजलगांव में पुलिस की सांठगांठ से हो रही रेत तस्करी के संबंध में प्रश्न उठाया। इस चर्चा में सदस्य नाना पटोले और अर्जुन खोतकर ने भी भाग लिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य में स्थानीय अपराध शाखा और विशेष जांच दल कार्यरत हैं, जो विभिन्न प्रकार के अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। कुछ स्थानों पर अनियमितताओं की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए संबंधित अधिकारियों की नियुक्ति के लिए मानदंड निर्धारित किए गए हैं और उनका सख्ती से पालन किया जा रहा है। इस अवसर पर राज्य मंत्री योगेश कदम ने जानकारी दी कि इस प्रकरण में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के माध्यम से कार्रवाई की गई है और संबंधित पुलिस कर्मी को निलंबित कर दिया गया है। जब्त किए गए मोबाइल फोन की फोरेंसिक रिपोर्ट हाल ही में प्राप्त हुई है, जिसमें आरोपी और पुलिस निरीक्षक के बीच कोई आपत्तिजनक बातचीत नहीं पाई गई है।
जांच के दौरान किसी भी प्रकार का प्रभाव न पड़े, इसके लिए संबंधित पुलिस निरीक्षक को नियंत्रण कक्ष से संबद्ध किया गया था। रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट हुआ कि उनका इसमें कोई संबंध नहीं है, जिसके बाद उनका पुनः स्थानांतरण कर दिया गया, ऐसा राज्य मंत्री कदम ने बताया।

पश्चिम रेलवे द्वारा 4 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से 4 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

1. ट्रेन संख्या 09622/09621 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल
ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर स्पेशल को 27 अप्रैल, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09621 अजमेर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 26 अप्रैल, 2026 तक विस्तारित किया गया है।
2. ट्रेन संख्या 04828/04827 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी साप्ताहिक स्पेशल। ट्रेन संख्या 04828 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी स्पेशल को 12 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 04827 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 11 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। 3. ट्रेन संख्या 09706/09705 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर साप्ताहिक स्पेशल
ट्रेन संख्या 09706 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर स्पेशल को 13 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09705 जयपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 12 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।
4. ट्रेन संख्या 04728/04727 वलसाड-हिसार साप्ताहिक स्पेशल
ट्रेन संख्या 04728 वलसाड-हिसार स्पेशल को 16 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 04727 हिसार-वलसाड स्पेशल को 15 जुलाई, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09622, 04828, 09706 एवं 04728 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 26.03.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर प्रारंभ होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव एवं रेक संरचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर नियंत्रण की नीति कार्यबल की रिपोर्ट के बाद तय होगी-मंत्री आशीष शेलार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य में नाबालिगों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर नियंत्रण को लेकर सरकार द्वारा नियुक्त कार्यबल की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही ठोस नीति या कानून बनाया जाएगा, ऐसी जानकारी सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अधिवक्ता आशीष शेलार ने विधान सभा में दी। विधान सभा में सदस्य राजेश पवार ने सामाजिक माध्यमों, ऑनलाइन खेलों और डिजिटल मंचों के बढ़ते उपयोग के नाबालिगों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त की थी।
मंत्री अधिवक्ता आशीष शेलार ने कहा कि अन्य राज्यों ने केवल सामाजिक माध्यमों के उपयोग पर प्रतिबंध को लेकर घोषणाएं की हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कानून लागू नहीं किया गया है। वहीं महाराष्ट्र ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए 2 फरवरी 2026 को एक साथ डिजिटल विज्ञापनों के प्रभाव का अध्ययन कर रहा है। साथ ही यह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नियमों का अध्ययन कर उपयुक्त कानूनी, तकनीकी

कार्यबल का गठन किया है। यह कार्यबल नाबालिगों द्वारा सामाजिक माध्यमों के उपयोग, उसके मानसिक, शारीरिक और शैक्षणिक प्रभावों के साथ-और प्रशासनिक उपायों का सुझाव देगा। 18 वर्ष से कम आयु के युवाओं पर सामाजिक माध्यम या मोबाइल फोन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना उचित नहीं होगा, क्योंकि शिक्षा प्रणाली में इंटरनेट की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। इस कार्यबल को तीन महीने की अवधि दी गई है, जिसके बाद राज्य सरकार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नियामक ढांचे का अध्ययन कर सूचना प्रौद्योगिकी कानूनों में संशोधन, आयु सत्यापन, स्क्रीन समय की सीमा और विद्यालयों में डिजिटल सुरक्षा शिक्षा जैसे उपायों पर निर्णय लेगी।
मंत्री अधिवक्ता शेलार ने यह भी कहा कि छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के लिए डिजिटल सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण और जनजागरूकता कार्यक्रम चलाने पर भी विचार किया जा रहा है।
इस विषय पर हुई चर्चा में सदस्य समाधान ए. वटाडे ने भी भाग लिया।

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग के ई-नीलामी विक्रय कार्यक्रम में संशोधन सूचना

ई-नीलामी विक्रय अधिसूचना संख्या एस-III / नीलामी कार्यक्रम-1 / अप्रैल-2026, दिनांक 09.03.2026 के संदर्भ में अप्रैल-2026 माह की नीलामियों के लिए निम्नलिखित संशोधन जारी किया जाता है : 'अप्रैल-2026 माह के लिए पश्चिम रेलवे के सभी डिपो और मंडलों में आयोजित होने वाली प्रथम चरण की नीलामियां रद्द की जाती हैं।' अन्य सभी नियम और शर्तें यथावत रहेंगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया सामग्री प्रबंधन विभाग की पश्चिम रेलवे की वेबसाइट wr.indianrailways.gov.in तथा ई-नीलामी पोर्टल www.ireps.gov.in पर जाएं।

(संख्या एस-III / नीलामी कार्यक्रम-2 / अप्रैल 2026, दिनांक 23.03.2026) 1255

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

ई-नीलामी विक्रय कार्यक्रम में संशोधन सूचना

मार्च 2026 के दौरान पथ विभाग तथा अन्य विभिन्न स्क्रैप के लिए अतिरिक्त ई-नीलामी विक्रय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

ई-नीलामी विक्रय अधिसूचना संख्या एस-III / नीलामी कार्यक्रम-1 / मार्च-2026, दिनांक 06.02.2026 पथ विभाग के स्क्रैप सामग्री के निपटान हेतु निम्नलिखित अतिरिक्त ई-नीलामी कार्यक्रम मार्च 2026 में, पहले से निर्धारित कार्यक्रम के अतिरिक्त, संबंधित मंडल के लिए आयोजित किया जाएगा।

मंडल	मार्च 2026 के लिए अतिरिक्त ई-नीलामी कार्यक्रम	प्रभारी मंडल अधिकारी	संपर्क संख्या
वडोदरा	30.03.2026	वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक - वडोदरा	02652641592 09724091750

अन्य सभी नियम और शर्तें यथावत रहेंगी।अधिक जानकारी के लिए कृपया सामग्री प्रबंधन विभाग की पश्चिम रेलवे की वेबसाइट wr.indianrailways.gov.in तथा ई-नीलामी पोर्टल www.ireps.gov.in पर जाएं।

(संख्या एस-III / नीलामी कार्यक्रम-2 / मार्च 2026, दिनांक 23.03.2026) 1257

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

खरात प्रकरण में भोंडू बाबा अशोक को किसी का संरक्षण नहीं मिलेगा-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भोंडू बाबा अशोक खरात प्रकरण की अब तक पुलिस द्वारा गहन जांच की गई है। इस पूरे मामले में अब तक कुल आठ प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनमें से सात प्रकरणों की जांच विशेष जांच दल द्वारा की जा रही है, जबकि एक प्रकरण नासिक शहर अपराध शाखा के पास है। यह प्रकरण अत्यंत गंभीर है और इसमें किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। निष्पक्ष और विस्तृत जांच के बाद दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान सभा में बताया।
मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अशोक खरात प्रकरण की अब तक की जांच पर विधान सभा में विस्तृत जानकारी दी।
उन्होंने बताया कि विशेष जांच दल द्वारा इस मामले की आगे की जांच जारी है और आरोपी के मोबाइल से हटाए गए डाटा को पुनः प्राप्त कर जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है। साथ ही इस प्रकरण में अन्य सहयोगियों या अधिकारियों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। यह अंतरिम रिपोर्ट है और आगे की जांच में और जानकारी सामने आने की संभावना है। आरोपी की सहायता करने वाले किसी भी व्यक्ति पर भी कार्रवाई की जाएगी।
मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले की शुरुआत 29 दिसंबर 2025 को नासिक जिले के वावी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक वसूली शिकायत से हुई थी। शिकायत में आरोप था कि अश्लील फोटो व्हाट्सऐप पर वायरल करने की धमकी देकर 5 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। हालांकि प्रारंभिक जांच में इस शिकायत में ठोस प्रमाण नहीं मिले। इसके बाद शिरडी में एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि नीरज जाधव नामक व्यक्ति ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अश्लील फोटो भेजकर उसे धमकाया। इस मामले में भी प्रारंभिक रूप से ठोस प्रमाण नहीं मिले।

जांच के दौरान योगेश भालेराव नामक एक महत्वपूर्ण गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को जो वीडियो सौंपे, उनमें आठ महिलाओं के 35 वीडियो शामिल थे। इन वीडियो में अशोक खरात द्वारा महिलाओं के साथ धोखाधड़ी, अंधविश्वास और धार्मिक अनुष्ठानों के नाम पर अश्लील कृत्य करने की बात सामने आई। इन गंभीर तथ्यों को देखते हुए वावी और शिरडी के अपराधों की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया। साथ ही आरोपी के देश से फरार होने से रोकने के लिए लुकआउट नोटिस भी जारी किया गया।
विशेष जांच दल द्वारा तीनों मामलों को संयुक्त रूप से जांच में लेने के बाद पीड़ितों और आरोपी का चिकित्सकीय परीक्षण किया गया तथा आरोपी के साथ काम करने वाले व्यक्तियों से पूछताछ की गई। आरोपी के वाहन चालक, उसके साथ काम करने वाले कर्मचारी, मिरगांव स्थित फार्महाउस के कर्मचारी और उसके साथ रहने वाले पुजारी के बयान दर्ज किए गए। शिरडी पुलिस स्टेशन में जब्त किए गए वीडियो के गवाह को सुरक्षा प्रदान की गई और उससे बातचीत कर साक्ष्यों की कड़ी स्थापित की गई। इसके अलावा वीडियो प्रस्तुत करने वाले गवाहों और उनके स्रोतों के बयान भी दर्ज किए गए। पीड़ित महिलाओं के परिजनों के बयान लिए गए और आरोपी के कॉल डाटा रिकॉर्ड के लिए पत्राचार किया गया।
मुख्यमंत्री ने बताया कि नासिक शहर के सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक अन्य महिला ने शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि आरोपी अशोक खरात ने मंत्र-तंत्र और दिव्य शक्तियों के नाम पर नशीले पदार्थ देकर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया। इस शिकायत के बाद पुलिस ने तत्काल आरोपी को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान आरोपी के कार्यालय, घर और फार्महाउस पर छापेमारी कर नकदी, लैपटॉप, हथियार और अन्य सामग्री जब्त की गई। मोबाइल डाटा को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है और साइबर जांच के माध्यम से हटाए गए डाटा को पुनः प्राप्त करने का कार्य जारी है।
मामले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए पीड़ित महिलाओं को परामर्श दिया जा रहा है। प्रारंभ में भय के कारण कोई सामने नहीं आ रहा था, लेकिन पुलिस द्वारा विश्वास दिलाने के बाद कुछ महिलाओं ने शिकायत दर्ज कराई। अब तक छह पीड़ित महिलाओं की पहचान हो चुकी है और उनके आधार पर अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए हैं। अन्य पीड़ित महिलाओं की भी तलाश जारी है और उन्हें परामर्श देकर शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि पीड़ित महिलाओं की पहचान उजागर न हो, इसके लिए फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सामाजिक माध्यमों पर वायरल हो रहे फोटो और वीडियो हटाने की प्रक्रिया जारी है। फेसबुक पर वीडियो हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। साथ ही जिन समाचार चैनलों द्वारा पीड़ितों की पहचान उजागर की जा रही थी, उन्हें नोटिस देकर ऐसी रिपोर्टिंग तत्काल बंद कराई गई है।
प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के पास लगभग 40 करोड़ रुपये की संपत्ति है। विभिन्न स्थानों पर भूमि, फ्लैट, बंगले तथा विदेश यात्राओं से संबंधित जानकारी भी मिली है। वित्तीय लेनदेन, कर चोरी और अन्य अनियमितताओं की भी जांच की जा रही है।
मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए महिला अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जिनका कार्य अनुभव भी अच्छा है। यह अब तक की अंतरिम जांच रिपोर्ट है और जांच अभी जारी है। आरोपी की हिरासत बढ़ा दी गई है और आगे और जानकारी सामने आएगी। समय-समय पर सदन को इसकी जानकारी दी जाएगी, ऐसा मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया।

औद्योगिक विकास के लिए अमरावती में बैठक आयोजित की जाएगी-मंत्री डॉ. उदय सामंत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।अमरावती में अधिक से अधिक उद्योग लाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और इसके लिए संबंधित अधिकारियों के साथ अमरावती में बैठक आयोजित की जाएगी, ऐसी जानकारी मंत्री डॉ. उदय सामंत ने विधान परिषद में दी।
इस विषय पर सदस्य संजय खोडके ने नियम 97 के तहत संक्षिप्त चर्चा की थी।
मंत्री डॉ. उदय सामंत ने कहा कि अमरावती संभाग में एमआईडीसी के दो क्षेत्रीय कार्यालय कार्यरत हैं। इस संभाग में कुल 46 औद्योगिक क्षेत्र हैं और लगभग 9,837.98 एकड़ क्षेत्र में एमआईडीसी की स्थापना की गई है। देश के सात प्रधानमंत्री वस्त्र उद्यानों में अमरावती का उद्यान सबसे अधिक सुसज्जित, आधुनिक और आधारभूत सुविधाओं से युक्त है। यहां भूमि का दर पहले 2100 रुपये था, जिसे उद्योगपतियों के साथ चर्चा के बाद घटाकर 590 रुपये कर दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगले एक वर्ष तक सरकार 590 रुपये के दर से भूमि उपलब्ध कराने की नीति अपनाएगी।
राज्य में औद्योगिक नीति के साथ-साथ रत्न एवं आभूषण, बांस, चमड़ा, सूचना प्रौद्योगिकी और डेटा केंद्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों के लिए अलग-अलग नीतियां लागू की जा रही हैं। राज्य की नई औद्योगिक नीति के अनुसार अमरावती को 'उद्यम-उन्मुख जिला' के रूप में शामिल किया गया है।
रेमंड कंपनी ने अमरावती में लगभग 500 एकड़ भूमि अधिग्रहित की है, जिसमें से केवल 30 से 38 एकड़ पर परियोजना स्थापित की गई है। शेष भूमि के संबंध में कंपनी के साथ बैठक की जाएगी। एमआईडीसी में भूमि आवंटन प्रक्रिया अब पूरी तरह सरल और पारदर्शी हो गई है।
मंत्री सामंत ने बताया कि महाराष्ट्र ने दावोस सम्मेलन में 30 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। सरकार द्वारा सक्षम नीतियां, पारदर्शिता और आवश्यक सुविधाएं प्रदान किए जाने के कारण महाराष्ट्र देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के मामले में लगातार अग्रणी रहा है।
उन्होंने यह भी कहा कि जहां गडचिरोली में इस्पात केंद्र और नवी मुंबई में डेटा केंद्र विकसित किया जा रहा है, वहीं अमरावती को भी एक प्रभावी औद्योगिक केंद्र बनाने का सरकार का लक्ष्य है।

सहकार क्षेत्र को अधिक गतिशील बनाने के लिए जल्द लाई जाएगी नई व्यापक सहकार नीति-सहकार मंत्री बाबासाहेब पाटिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सहकार क्षेत्र सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का एक सशक्त मॉडल है। राज्य के सहकार क्षेत्र को अधिक सक्षम, पारदर्शी और गतिशील बनाने के लिए जल्द ही एक नई व्यापक सहकार नीति लागू की जाएगी, ऐसा सहकार मंत्री बाबासाहेब पाटिल ने विधान परिषद में अल्पकालीन चर्चा का उत्तर देते हुए बताया।
इस विषय पर सदस्य प्रवीण दरेकर ने नियम 97 के तहत संक्षिप्त चर्चा उठाई थी।
चर्चा का उत्तर देते हुए सहकार मंत्री पाटिल ने सहकार क्षेत्र के कार्य का आढावा लिया और भविष्य के सुधारों तथा नई पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नई सहकार नीति के लिए 15 सदस्यीय समिति गठित की गई है। मुंबई और नागपुर सहित राज्य के विभिन्न विभागों में बैठकें आयोजित की जाएंगी तथा विशेषज्ञों, अनुभवी कार्यकर्ताओं और नई पीढ़ी के सुझावों को इसमें शामिल किया जाएगा। इस नीति में पारदर्शिता, कार्यक्षमता और सतत विकास को प्राथमिकता दी जाएगी।

सहकार मंत्री पाटिल ने कहा कि राज्य में सहकार आंदोलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। राज्य में लगभग 2.33 लाख सहकारी संस्थाएं कार्यरत हैं। शीर्ष संस्थाएं, जिला केंद्रीय बैंक, प्राथमिक कृषि साख समितियां, शहरी बैंक, चीनी मिलें और गृहनिर्माण संस्थाएं जैसे व्यापक नेटवर्क के कारण सहकार क्षेत्र ने राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
उन्होंने बताया कि राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहकार क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कार्य कर रही है। जिला बैंकों को ब्याज अनुदान, प्राथमिक संस्थाओं को सहायता तथा समय पर फसल ऋण चुकाने वाले किसानों को ब्याज वापसी दी जा रही है। सहकारी संस्थाओं का संगणकीकरण, चीनी मिलों के लिए मार्जिन मनी और ऋण योजना, तथा राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के माध्यम से विभिन्न परियोजनाओं को वित्तीय सहायता देने जैसी पहलें ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों को बढ़ावा दे रही हैं।
मंत्री पाटिल ने कहा कि राज्य में 128 सहकारी और 134 निजी चीनी मिलें कार्यरत हैं तथा उचित और लाभकारी मूल्य नियमों के कारण किसानों के हितों की रक्षा हुई है। चीनी उद्योग को अधिक सक्षम बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट के माध्यम से अत्याधुनिक मशीनरी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे किसानों को खेत स्तर पर मार्गदर्शन मिलेगा। इससे उत्पादकता बढ़ाने और पेराई सत्र की अवधि बढ़ाने में मदद मिलेगी।
उन्होंने यह भी बताया कि कुछ संकटग्रस्त जिला सहकारी बैंकों को वित्तीय सहायता दी जा रही है और गृहनिर्माण संस्थाओं के पुनर्विकास को भी गति दी गई है। आत्मनिर्भर विकास के लिए शिकायत निवारण प्रणाली और निर्णय प्रक्रिया की गति बढ़ाई गई है। डेयरी, मत्स्य और अन्य पूरक क्षेत्रों को भी सहकार के माध्यम से प्रोत्साहित किया जा रहा है।
मंत्री पाटिल ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में रोजगार सृजन के लिए सहकार आंदोलन और अधिक महत्वपूर्ण साबित होगा और सरकार पारदर्शिता, कार्यक्षमता तथा सतत विकास को प्राथमिकता देते हुए सहकार क्षेत्र को और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिवरखेडे मक्का प्रकरण में जांच के बाद दोषियों पर आपराधिक कार्रवाई-मंत्री छगन भुजबळ

मुंबई। चांदवड तालुका के हिवरखेडे खरीदी केंद्र पर अन्य तालुका से मक्का की अवैध बिक्री के मामले में गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाएगी, ऐसा खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री छगन भुजबळ ने विधान सभा में बताया।
इस संबंध में सदस्य राहुल आहेर ने एक महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किया था। इस पर उत्तर देते हुए मंत्री भुजबळ ने कहा कि प्रारंभ में केंद्र सरकार ने 6 लाख 60 हजार क्विंटल मक्का खरीदी का लक्ष्य दिया था। बाद में राज्य की मांग के अनुसार अतिरिक्त 5 लाख क्विंटल की अनुमति दी गई, जिससे कुल लक्ष्य 11 लाख 60 हजार क्विंटल हो गया। इसमें से अब तक लगभग 7 लाख 50 हजार क्विंटल मक्का की खरीदी की जा चुकी है और लगभग 115 करोड़ रुपये का वितरण किया गया है।
बारूद की कोई कमी नहीं है, लेकिन कुछ संदिग्ध मामले सामने आए हैं। छापेमारी के दौरान कुछ स्थानों पर बारूद का भंडार छिपाकर रखा गया पाया गया, और राजस्व अधिकारियों की जांच में भी प्रारंभिक तथ्य सामने आए हैं। इस मामले की जिम्मेदारी संबंधित जिला स्तर के अधिकारियों पर तय की जा रही है और नासिक के जिला विपणन अधिकारी को तत्काल निलंबित किया जाएगा।
मंत्री भुजबळ ने यह भी कहा कि इस प्रकरण में उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी और संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों तथा अन्य संबंधित संस्थाओं या व्यक्तियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे।

गोसीखुर्द परियोजना से प्रभावितों के पुनर्वास से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जाएगा- आशीष जायसवाल

मुंबई। गोसीखुर्द परियोजना एक बड़ा प्रकल्प है और इससे जुड़े पुनर्वास, मुआवजा तथा अनुदान से संबंधित सभी मुद्दे सरकार के विचाराधीन हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए नीति संबंधी निर्णय लिया जाएगा, ऐसा राज्य मंत्री अधिवक्ता आशीष जायसवाल ने विधान सभा में बताया।
इस विषय पर सदस्य नरेश भोंडेकर ने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए थे।
राज्य मंत्री अधिवक्ता आशीष जायसवाल ने कहा कि गोसीखुर्द परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की योजना बनाई गई थी, जिसके बाद कुछ निर्णयों में बदलाव भी किया गया। हालांकि, अत्यधिक जलभराव के कारण कुछ गांवों में अब भी बांध के पानी की समस्या बनी हुई है और स्थानीय लोगों से शिकायतें प्राप्त हो रही हैं।
उन्होंने स्पष्ट किया कि पुनर्वास एकमुश्त किया जाएगा या चरणबद्ध तरीके से, इस पर सरकार उचित निर्णय लेगी। साथ ही पुनर्वास के लिए दिए जाने वाले अनुदान के संबंध में भी नीति निर्णय आवश्यक है। पूर्व में परियोजना प्रभावितों को 2.99 लाख रुपये का अनुदान दिया गया था। वर्तमान प्रभावितों को भी वही अनुदान दिया जाए या नहीं, इस पर शीघ्र निर्णय लिया जाएगा।
इसके अतिरिक्त, अतिरिक्त गांवों के पुनर्वास की जिम्मेदारी जल संसाधन विभाग के माध्यम से ली जाए या अलग से सरकारी निर्णय के तहत, इस पर भी विचार किया जा रहा है। इन सभी मुद्दों पर माननीय सदस्यों के साथ बैठक कर अगले एक महीने के भीतर ठोस निर्णय लिया जाएगा, ऐसा राज्य मंत्री अधिवक्ता जायसवाल ने बताया।

दिव्यांग कल्याण विभाग की जिला स्तरीय व्यवस्था को सशक्त बनाया जाएगा-दिव्यांग कल्याण मंत्री अतुल सावे

मुंबई। राज्य में दिव्यांग कल्याण विभाग से संबंधित वेतन और अनुदान प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए सरकार ने गहन जांच शुरू की है, और जिन संस्थाओं के दस्तावेज तथा प्रक्रियाएं स्पष्ट हैं, उन्हें अनुदान वितरित किया गया है। राज्य में जिला स्तर पर इस विभाग को और अधिक सशक्त बनाने के लिए भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में है और अधिकारियों की नियुक्ति महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग के माध्यम से की जाएगी, ऐसी जानकारी मंत्री अतुल सावे ने दी।
विधान सभा में विधायक संजय केलकर द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री सावे ने कहा कि दिव्यांग कल्याण विभाग के पृथक्करण के बाद आत्मनिर्भरता से संबंधित कई योजनाओं को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिला स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए भर्ती प्रक्रिया अंतिम चरण में है और अधिकारियों की नियुक्ति महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग के माध्यम से की जाएगी। संबंधित उम्मीदवारों का प्रशिक्षण चल रहा है और इसके पूर्ण होने के बाद नियमित नियुक्तियां की जाएंगी।
मंत्री सावे ने बताया कि सरकार ने दिव्यांगों के कौशल विकास पर भी विशेष जोर दिया है। राज्य में 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांगों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जिन लाभार्थियों का पंजीकरण या दस्तावेज अधूरे हैं, उनके लिए गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से विशेष गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।
वर्तमान में राज्य में 110 कौशल एवं उद्यमिता विकास केंद्र कार्यरत हैं, जिनमें लगभग 1040 आवासीय और 1029 गैर-आवासीय विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि दिव्यांगों के लिए संचालित योजनाओं में पारदर्शिता बनाए रखते हुए अनियमितताओं को पूरी तरह समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।
इस विषय पर हुई चर्चा में विधायक डॉ. राहुल पाटिल और विधायक श्वेता महाले ने भी भाग लिया।

नवले पुल पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उपाय ; ऊपरी सड़क के लिए केंद्र को प्रस्ताव-राज्य मंत्री योगेश कदम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे के नवले पुल पर बढ़ती दुर्घटनाओं की पृष्ठभूमि में लगभग 6 हजार करोड़ रुपये की लागत से ऊपरी सड़क परियोजना का प्रस्ताव केंद्र सरकार को स्वीकृति हेतु भेजा गया है, ऐसा राज्य मंत्री योगेश कदम ने विधान सभा में बताया। इस संबंध में सदस्य भीमराव तापकीर ने प्रश्न उठाया था।
राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि संबंधित राष्ट्रीय राजमार्ग का लगभग पांच से छह किलोमीटर का हिस्सा तकनीकी रूप से संवेदनशील है। हालांकि सड़क की ढलान अधिक तीव्र नहीं है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों से शहर की ओर आने वाले भारी वाहनों के कारण यातायात जाम की स्थिति बनती है। इसके चलते दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। इस संदर्भ में स्थायी समाधान के रूप में ऊपरी सड़क का निर्माण आवश्यक है। पिछले चार वर्षों के दुर्घटना आंकड़े प्रस्तुत करते हुए मंत्री कदम ने बताया कि वर्ष 2022 में 12 दुर्घटनाएं हुईं, 2023 में तीन, 2024 में पांच और 2025 में यह संख्या बढ़कर 16 हो गई। मृतकों की संख्या 2022 में चार, 2023 में दो, 2024 में तीन और 2025 में आठ रही, जिससे कुल मृतकों की संख्या 11 तक पहुंच गई। उन्होंने बताया कि घायलों को आवश्यक आर्थिक सहायता और उपचार भी प्रदान किया गया है। राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा कि संबंधित स्थान को 'ब्लैक स्पॉट' घोषित किया गया है। दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सड़क की चौड़ाई 7 मीटर से बढ़ाकर 10.5 मीटर कर दी गई है। साथ ही गति सीमा 60 किलोमीटर प्रति घंटा से घटाकर 40 किलोमीटर प्रति घंटा कर दी गई है। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस की तैनाती बढ़ाई गई है, स्वयंसेवकों की नियुक्ति की गई है और सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक भारी वाहनों के लिए समय सीमा निर्धारित की गई है।
उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त बैठकों के माध्यम से विभिन्न उपाय लागू किए जा रहे हैं तथा स्थायी समाधान के रूप में ऊपरी सड़क परियोजना को शीघ्र स्वीकृति दिलाने के लिए केंद्र सरकार के साथ लगातार संपर्क किया जा रहा है। इस विषय पर हुई चर्चा में सदस्य शंकर जगताप ने भी भाग लिया।

आरटीई के तहत छात्रों से सामग्री के नाम पर भी पैसा नहीं लिया जा सकेगा

लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति चरणबद्ध तरीके से की जाएगी- स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे

मुंबई। निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटों पर छात्रों का प्रवेश अनिवार्य है। इन छात्रों की शिक्षा शुल्क की भरपाई सरकार द्वारा की जाती है। हालांकि, आरटीई के तहत प्रवेशित छात्रों से किसी भी प्रकार का शुल्क लेना किसी भी स्कूल को अनुमति नहीं है। स्कूल शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने विधान सभा में बताया कि शुल्क या शैक्षणिक सामग्री के नाम पर भी पैसा लेना प्रतिबंधित है।

विधान सभा में सदस्य योगेश सागर द्वारा प्रस्तुत एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का उत्तर देते हुए मंत्री भुसे ने कहा कि वर्तमान में राज्य स्तर पर लगभग 2900 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति लंबित है। फिर भी आरटीई के तहत प्रवेशित छात्रों से किसी भी प्रकार का भुगतान लेने की अनुमति किसी भी स्कूल को नहीं दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शुल्क या सामग्री के नाम पर पैसा लेना पूरी तरह प्रतिबंधित है।
मंत्री भुसे ने बताया कि इस संबंध में राज्य के सभी स्कूलों को 1 जुलाई 2015 को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। यदि किसी स्कूल ने अभिभावकों से इस प्रकार का शुल्क लिया है, तो उन्हें राशि वापस करने के निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही संबंधित स्कूलों को नोटिस जारी कर आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।
उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि स्कूलों को बंद करने की कोई योजना नहीं है, और आगामी दिनों में निधि उपलब्ध होते ही स्कूलों की लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति चरणबद्ध तरीके से की जाएगी।

'दिव्यांग बच्चों के लिए आंगनवाड़ी प्रोटोकॉल' मंत्री आदिती तटकरे द्वारा जारी

आंगनवाड़ी के माध्यम से आधुनिक तकनीक के साथ समावेशी शिक्षा पर जोर-मंत्री आदिती तटकरे

मुंबई। दिव्यांग बच्चों को सामान्य बच्चों की तरह जीवन जीने में सक्षम बनाने तथा समाज में उनके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए आंगनवाड़ी के माध्यम से विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री आदिती तटकरे ने जानकारी दी कि 0 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए 'दिव्यांग बच्चों हेतु आंगनवाड़ी प्रोटोकॉल' अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा।
यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान में 'प्रारंभिक शिक्षा के माध्यम से विकसित भारत की नींव' विषय पर एक राज्य स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन एकीकृत बाल विकास सेवा योजना के अंतर्गत किया गया। इसी अवसर पर 'दिव्यांग बच्चों के लिए आंगनवाड़ी प्रोटोकॉल' का विमोचन मंत्री आदिती तटकरे के हस्ते किया गया।
इस संगोष्ठी में राज्य के विभिन्न विशेषज्ञों ने भाग लिया। मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल, आयुक्त माधवी सरदेशमुख, उप आयुक्त विजय क्षीरसागर, संयुक्त आयुक्त संगीता लोंढे तथा रॉकेट लर्निंग के सह-संस्थापक सिद्धांत सचदेवा उपस्थित थे।
इस कार्यक्रम में रॉकेट लर्निंग की 'ई-शेप स्किल्ड आंगनवाड़ी' पहल के अंतर्गत कोंकण, पुणे, नाशिक, अमरावती, छत्रपति संभाजीनगर और नागपुर क्षेत्रों के उत्कृष्ट कार्य करने वाले आंगनवाड़ी सेविका, पर्यवेक्षक तथा बाल विकास परियोजना अधिकारियों को सम्मानित किया गया।
संगोष्ठी में नीति से क्रियान्वयन, बच्चे के जीवन के पहले 1000 स्वर्णिम दिन तथा प्रभावी कार्यान्वयन के लिए साझेदारी मॉडल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।
मंत्री आदिती तटकरे ने कहा कि राज्य के प्रत्येक गांव तक आंगनवाड़ी सेवाओं का विस्तार करते हुए 'पोषण भी शिक्षा है' इस उद्देश्य को साकार करने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग कार्य कर रहा है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप बच्चों को अनुकूल वातावरण में शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न पहलें की जा रही हैं। रॉकेट लर्निंग के माध्यम से आंगनवाड़ी सेविकाओं को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे शिक्षा अधिक प्रभावी और सुलभ बन रही है।
दिव्यांग बच्चों के लिए तैयार यह प्रोटोकॉल आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ऐसे बच्चों को शिक्षा देने के तरीके, उनके साथ समान व्यवहार का महत्व तथा अन्य बच्चों में समावेश की भावना विकसित करने के लिए मार्गदर्शन करेगा। साथ ही बच्चों में दिव्यांगता की शीघ्र पहचान और उपचार, उचित पोषण तथा बाल-अनुकूल शिक्षा के लिए सभी आंगनवाड़ियों को वीडियो के माध्यम से शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।
इसके अलावा, राज्य के सभी दिव्यांग बच्चों की जानकारी संकलित करने तथा उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए स्वास्थ्य विभाग और दिव्यांग कल्याण विभाग के साथ समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया जाएगा। मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि राज्य के अंतिम बच्चे तक पोषण और शिक्षा सेवाएं प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए सर्वोत्तम उपाय किए जा रहे हैं।

सम्पादकीय

होर्मुज जलडमरूमध्य संकट : ईरान-अमेरिका टकराव के बीच भारत पर महंगाई का खतरा क्यों बढ़ा

पश्चिम एशिया में ईरान पर इजराइल और अमेरिका के हमले के बाद दिनोंदिन हालात जटिल होते जा रहे हैं। साफ है कि युद्ध का प्रत्यक्ष असर भले ही हमले की जद में आए देशों में पड़ रहा हो, लेकिन इसकी वजह से अब दूसरे वैसे देश भी प्रभावित होने लगे हैं, जो अपनी कई जरूरतों के लिए मध्यपूर्व के देशों पर कम या ज्यादा निर्भर हैं।

उदाहरण के तौर पर ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, तब से उस रास्ते से तेल और गैस लेकर जाने वाले लगभग सभी देशों के जहाजों का भी रास्ता बंद है। कुछ खास स्थितियों में आंशिक इजाजत दी जा रही है, लेकिन उसके सहारे आने वाले दिनों के व्यापक संकट को लंबे समय तक नहीं टाला जा सकता है।

तेल और गैस की आपूर्ति में भारी कमी की वजह से उपजे मुश्किल से निपटने के लिए भारत ने रूस सहित अन्य विकल्पों की ओर रुख किया है, मगर इससे स्थितियों को सामान्य बनाने में सीमित मदद ही मिलेगी। यह बेवजह नहीं है कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच भारत में भी शुक्रवार को उच्च श्रेणी के पेट्रोल में करीब दो रुपए और औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को बेचे जाने वाले डीजल में बाईस रुपए की बढ़ोतरी की गई।

हालांकि सामान्य पेट्रोल और डीजल की मौजूदा कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि आने वाले कितने दिनों तक इनके दाम स्थिर रहेंगे।

मसलन, अगर भारी उद्योगों और बड़ी मशीनों के संचालन में इस्तेमाल में आने वाले औद्योगिक डीजल की कीमतों में खासी बढ़ोतरी हुई है, तो इसका सीधा प्रभाव उत्पादन की लागत पर पड़ेगा। ऐसे में जब औद्योगिक कंपनियों के मुनाफे में कमी आएगी, तो स्वाभाविक रूप से इसके असर से कई अन्य सामान महंगे हो सकते हैं।

रसोई गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित होने के कारण लोगों को पहले ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में आम उपयोग के पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी होती है, तो यह कोई हैरानी की बात नहीं होगी। इसके बाद इसका असर माल ढुलाई पर पड़ेगा और बाजार में खाने-पीने की चीजों की महंगाई भी बढ़ सकती है।

दरअसल, भारत अपनी जरूरत के कच्चे तेल और गैस के लिए खाड़ी देशों से होने वाली आपूर्ति पर काफी हद तक निर्भर है। जब से ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध की शुरुआत हुई है, उसके बाद भारत सहित दुनिया के तमाम देशों में वहां से कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ा है।

एक ओर प्रभावित देशों की ओर से यह उम्मीद की जा रही है कि किसी भी हाल में वार्ता के जरिए समस्या का हल निकाला जाए और युद्ध रुके, ताकि प्रभावित देशों में स्थिति और ज्यादा न बिगड़े। दूसरी ओर, हालत यह है कि अब युद्ध में शामिल दोनों पक्षों की ओर से बड़े पैमाने पर तेल ठिकानों को भी निशाना बनाया जाने लगा है और व्यापक तबाही सामने आ रही है। जाहिर है, इससे सीधे तौर पर मध्यपूर्व के देशों से अन्य देशों के लिए तेल और गैस की आपूर्ति ठप पड़ेगी तथा इससे संकट का दायरा और विस्तृत होगा।

भारत के सामने जो हालात पैदा हो रहे हैं, उसमें सरकार को हर स्तर पर कूटनीतिक पहल करके कच्चे तेल और रसोई गैस की आपूर्ति का रास्ता तैयार करने को प्राथमिकता देने की जरूरत है। अगर इस मोर्चे पर टालमटोल का रुख अख्तियार किया गया, तो आने वाले दिनों में संकट का अंदाजा लगाया जा सकता है।

युद्ध के साये में दुनिया, मोदी का संतुलन संदेश

वैश्विक तनाव के बीच भारत की संतुलित कूटनीति और आत्मविश्वास

प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी
वरिष्ठ शिक्षाविद्, साहित्यकार एवं स्तंभकार

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य एक बार फिर ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है, जहाँ शांति और युद्ध के बीच की दूरी अत्यंत कम होती जा रही है। महाशक्तियों के बीच बढ़ते तनाव, कूटनीतिक असफलताएँ और क्षेत्रीय संघर्षों की तीव्रता इस बात का संकेत देती हैं कि विश्व एक अस्थिर और संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहा है। अमेरिका द्वारा प्रस्तावित युद्धविराम और ईरान द्वारा उसका स्पष्ट इनकार केवल एक कूटनीतिक घटना नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गहराते अविश्वास और शक्ति-संतुलन के संघर्ष का प्रतीक है।

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव दशकों पुराना है, किंतु वर्तमान परिस्थितियाँ इसे और अधिक जटिल और संवेदनशील बना देती हैं। युद्धविराम का प्रस्ताव जहाँ शांति की एक पहल के रूप में देखा जा सकता है, वहीं उसका अस्वीकार यह दर्शाता है कि दोनों पक्षों के बीच भरोसे की कमी अभी भी बनी हुई है। यह स्थिति केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक प्रभाव रखने वाली है, क्योंकि पश्चिम एशिया में किसी भी प्रकार की अस्थिरता का सीधा असर विश्व अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

इस तनाव का प्रभाव वित्तीय बाजारों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव, सोने की कीमतों में वृद्धि और निवेशकों के बीच बढ़ती चिंता इस बात का संकेत हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता के दौर में प्रवेश कर रही है। ऊर्जा संकट की आशंका भी इस स्थिति को और गंभीर बनाती है, विशेष रूप से उन देशों के लिए जो ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं।

ऐसे समय में भारत के लिए यह केवल बाहरी संकट नहीं, बल्कि अपनी आंतरिक मजबूती की परीक्षा का अवसर भी है। एक ओर वैश्विक दबाव हैं, तो दूसरी ओर अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता बनाए रखने की चुनौती। यही वह समय है, जब संतुलित और दूरदर्शी विदेश नीति की आवश्यकता सबसे अधिक होती है।

संसद में प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य–'हम हर चुनौती को चुनौती दे सकते हैं, यही ताकत है'–वर्तमान संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। यह केवल एक राजनीतिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास और सामरिक सोच का परिचायक है। यह संदेश देश के भीतर विश्वास को मजबूत करता है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की सशक्त उपस्थिति को रेखांकित करता है।

इस संतुलन संदेश को तीन प्रमुख आयामों में समझा जा सकता है। पहला, राष्ट्रीय सुरक्षा–भारत अपनी सीमाओं और हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है। दूसरा, कूटनीतिक संतुलन–भारत किसी एक ध्रुव के साथ पूर्णतः जुड़ने के बजाय स्वतंत्र और व्यावहारिक नीति अपनाता है। तीसरा, आर्थिक आत्मनिर्भरता–वैश्विक संकटों से निपटने के लिए मजबूत और स्वावलंबी अर्थव्यवस्था आवश्यक है।

वर्तमान परिस्थितियों में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी आंतरिक स्थिरता को बनाए रखना है। इसके लिए आवश्यक है कि देश अपनी आर्थिक नीतियों को सुदृढ़ करे, ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की ओर तेजी से बढ़े और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दे। यदि तेल की कीमतों में वृद्धि होती है, तो उसका सीधा प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा, इसलिए दीर्घकालिक रणनीतियों का निर्माण अनिवार्य हो जाता है।

इसके साथ ही भारत को अपनी कूटनीतिक भूमिका को और सक्रिय करना होगा। एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में भारत शांति और संवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत की विशेषता रही है कि वह विभिन्न पक्षों के बीच संतुलन स्थापित करने में सक्षम है, और यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है।

इतिहास साक्षी है कि युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं देता। युद्ध केवल विनाश और अस्थिरता को जन्म देता है, जबकि संवाद और कूटनीति ही स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। यदि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया, तो यह एक व्यापक संघर्ष का रूप ले सकता है, जिसके परिणाम अत्यंत गंभीर होंगे।

वर्तमान परिदृश्य में तीन संभावित रास्ते स्पष्ट दिखाई देते हैं–सीमित संघर्ष, व्यापक युद्ध या कूटनीतिक समाधान। आने वाला समय तय करेगा कि कौन सा मार्ग अपनाया जाएगा, किंतु भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह हर परिस्थिति के लिए तैयार रहे।

आज की दुनिया में कोई भी संघर्ष सीमाओं तक सीमित नहीं रहता। उसका प्रभाव तुरंत वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाता है। ऐसे में भारत के लिए यह और भी आवश्यक हो जाता है कि वह अपने नागरिकों के हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक संतुलन बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाए।

अंततः यह कहा जा सकता है कि विश्व एक परिवर्तनशील दौर से गुजर रहा है, जहाँ पुराने शक्ति-संतुलन बदल रहे हैं और नए समीकरण बन रहे हैं। ऐसे समय में भारत के पास एक अवसर है कि वह अपनी भूमिका को और अधिक सशक्त बनाए और विश्व मंच पर एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभरे।

प्रधानमंत्री का संतुलन संदेश यह स्पष्ट करता है कि भारत केवल परिस्थितियों का सामना करने वाला देश नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है। संतुलन, सतर्कता और दूरदर्शिता के साथ भारत न केवल इन चुनौतियों को पार कर सकता है, बल्कि वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को और अधिक सुदृढ़ कर सकता है।

मेरा मन कहता है कि कहूँ
युद्ध के बीच भी संतुलन की राह,
भारत का संदेश न भय, न आह।
संयम ही शक्ति, यही पहचान,
शांति से ही होगा मानव कल्याण।

भूलना कमजोरी नहीं, दिमाग की ताकत है जानिए क्यों जरूरी है यादों को 'डिलीट' करना

अक्सर हम कोई जरूरी काम करना भूल जाते हैं। मौके पर कोई जरूरी बात कहना भूल जाते हैं। अगर उस भूलने से कोई नुकसान नहीं हुआ, तो आमतौर पर हम बेफिक्र आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन अगर कुछ भूल जाने की वजह से हमें परेशान होना पड़ता है, कोई नुकसान हो जाता है, तब हमें भूलने पर अफसोस होता है। कई बार यह अफसोस अपराध बोध जैसा भी महसूस होने लगता है और हम खुद की लानत-मलामत करते हैं। नौबत आने पर कभी सफाई देकर अपनी गलती को हल्का करने की भी कोशिश करते हैं।

फिर दंड भुगतकर दोबारा ऐसी गलती न करने की सीख गांठ बांध लेते हैं। मगर क्या हर बार भूलना अपराध करने के बराबर ही ग्लानिपूर्ण है? क्या हर बार भूल जाने की सजा मिलनी चाहिए? शायद नहीं! भूलना हमारे जीवन की एक जरूरी क्रिया है। सिर्फ जीवन की ही नहीं, इस प्रकृति की भी। मसलन, जिस वसंत को लेकर सभी आह्लादित होते हैं, उसमें पेड़ अपने पुराने, जीर्ण, पीले पत्तों को गिरा देते हैं। उसके बाद हम देखते हैं कि नई पत्तियां उनका स्थान ग्रहण कर लेती हैं। इसके बाद नए पत्तों से सजे पेड़ अपने पुराने बिछड़े पत्तों के शोक में डूबे रहते हैं क्या? सच यह है कि वे उन्हें बिसारकर नए के स्वागत-सत्कार में तल्लीनता से लीन हो चुके होते हैं।

इसी तरह सभ्यताएं अपने ऊपर जबरन थोपे गए युद्ध, विनाश को भूलकर आगे बढ़ती गई हैं। हालांकि युद्ध के दंश से पार पाना एक चुनौती होती है, लेकिन मनुष्यता समय-समय पर अपने साथ हुई ज्यादतियों को बिसार कर एक बेहतर दुनिया बनाने के प्रयास में लगी हुई है। मतलब जिंदगी की एक नई शुरुआत के लिए हमें भूलने पर ही निर्भर होना पड़ता है। कई बार भूल जाना याद रखने से कहीं ज्यादा जरूरी हो जाता है। जितनी जल्दी हम अपने साथ हुए हादसे, डर, अपमान, परेशानी को भूल जाते हैं, उतनी जल्दी एक नई शुरुआत के लिए तत्पर हो जाते हैं। हम कल्पना करके देख सकते हैं कि अगर मनुष्य अपनी हर पीड़ा को उसी तरह ढोता रहे, जैसे वह आज ही घटित हुई हो, तो उसका जीवित रहना ही मुश्किल हो जाएगा। आगे बढ़ने, कुछ करने की तो बात ही छोड़ दी जाए।

हमारा जीवन नदी की धारा की तरह प्रवाहमान है। जीवन के संघर्ष, हादसे, दुख-दर्द उन धाराओं के मार्ग के नुकीले पत्थर हैं। इन्हें पार कर बहते जाना ही नदी का स्वभाव है। इसी स्वभाव के कारण वह अपने वेग में बह पाती है। इसलिए भूल जाना किसी मनुष्य की कमजोरी नहीं है, बल्कि उसकी शक्ति है। बाधाओं को पार करने की शक्ति। अपने प्रवाह को बनाए रखने की शक्ति। और सबसे बड़ी बात यह कि नए सपनों को देखने की शक्ति इंसान को पुराने कटु अनुभवों को भूलकर ही मिलती है।

जब किसी का अतीत उसके मन-मुताबिक न घटा हो, तो उसकी स्मृतियां बोझ सरीखी लगती हैं। वे जब-तब स्मृति में आकर अंतर्मन को लहूलुहान कर देती हैं। इन रिसते घावों पर विस्मृति का मरहम लगा कर हम अतीत के बोझ से मुक्त होते हैं। वर्तमान की घटनाओं को कटु होने से बचा लेते हैं। यानी वर्तमान के सुख को जीते हैं और सुखद स्मृतियों को जीवन के पृष्ठ में दर्ज करते हैं।

भूलने के बारे में मनोवैज्ञानिकों के अलग सिद्धांत रहे हैं। उन्हीं में से एक ट्रेस डिके सिद्धांत कहता है कि भूलना स्मरण शक्ति के अपने आप खत्म होने या बोझिल पड़ने की वजह से होता है। यह सिद्धांत कम अवधि की स्मृति के सीमित समय पर केंद्रित है। इसमें हमारी याददाश्त सिर्फ कुछ पलों के लिए किसी घटना पर केंद्रित होती है। अगर उस घटना को फिर से स्मरण के कोष में दोहराया न जाए, तो वह घटना स्मृति से हमेशा के लिए मिट जाती है। जैसे चलती ट्रेन में बैठकर देखे गए अधिकांश दृश्य हम आगे बढ़ते ही भूल जाते हैं। भूलने की लघु अवधि स्मरण सिद्धांत के अनुसार, जब यह लघु अवधि स्मृति 'पूर्ण' होती है, तो नई जानकारी पुरानी जानकारी को विस्थापित कर देती है या 'बाहर धकेल देती है' और उसका स्थान घेर लेती है। ऐसे में लघु अवधि स्मरण में विस्थापित स्मृतियां या घटनाएं मिट जाती हैं। भूलने के इंटरफेस सिद्धांत के अनुसार नई स्मृतियां पुरानी स्मृतियों से टकराकर उन्हें कमजोर कर देती हैं। धीरे धीरे वे मिट जाती हैं।

वैज्ञानिक सिद्धांत तो भूलने की व्याख्या करते ही हैं, हमारे अनुभव भी यही कहते हैं कि सहज स्वाभाविक तरीके से कुछ भूलना बीमारी नहीं। उल्टे यह हमारे मस्तिष्क को रोग मुक्त और संतुलित रखने में सहायक है। भूलने पर किए गए अनेक शोध बताते हैं कि भूलना सीखने की प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाता है। जब हम किसी चीज को सीखने के लिए उस पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो हम मस्तिष्क में चल रही तमाम ऊल-जलूल बातें और त्रुटियों को भूल जाते हैं। एक तरह से भूलना दिमाग को छान कर फिर से ताजा करने की प्रक्रिया है। यह 'डिलीट करने' यानी मिटाने के बटन का काम करता है। पुरानी या बेकार की यादों को हटाता है और मस्तिष्क में नई चीजों के लिए जगह बनाता है। तो इस भाग-दौड़ से भरी जिंदगी में अगली बार अगर हम कुछ भूल जाएं तो खुद को कोसने के बजाय माफ कर देना चाहिए।

एआई के दखल से खेलों में बड़ा बदलाव, क्या मशीनें तय करेंगी खिलाड़ियों की जीत-हार

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए संस्कृति, कला और साहित्य जैसे तमाम क्षेत्रों में बदलाव आ रहा है। यहां तक कि खेल और खिलाड़ी की दुनिया भी बदलने लगी है। यह बदलाव कई मायने में बेहद दिलचस्प है। कैसा बदलाव आ रहा है, इसे जानना और समझना चाहिए। खेलों के बारे में आम धारणा बदल रही है। यह महज मनोरंजन या शौक नहीं, बल्कि दुनिया के देशों की खेल रणनीति भी है। कृत्रिम मेधा यानी एआइ के विस्तार के बाद बहुत कम समय में खेलों की दुनिया में बदलाव देखा जा रहा है।

एआइ की उपयोगिता जैसे-जैसे बढ़ रही है, वैसे-वैसे तमाम क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता की संभावनाएं भी दिख रही हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से खेलों में इसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। कुछ लोगों का मानना है कि एआइ से प्रतियोगी खेलों में फायदे के साथ नुकसान भी हो सकता है, लेकिन ज्यादातर खेल विशेषज्ञों का मानना है कि इससे खेलों में तमाम तरह की सुविधाएं और पारदर्शिता बढ़ती है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में खेल की दुनिया में बड़ा बदलाव होने की संभावनाएं हैं। इस पर भारत सहित दुनिया के तमाम देश प्रयोग कर रहे हैं।

दो दशक पहले खिलाड़ी केवल अपनी बुद्धि, अनुभव और अभ्यास पर निर्भर रहते थे, लेकिन कुछ ऐसे भी खेल हैं जिसमें एआइ का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद पाया गया है। इनमें शतरंज, क्रिकेट, टेबल टेनिस और हाकी प्रमुख हैं। इनमें एआइ के इस्तेमाल को इन खेलों की रणनीति और निर्णय क्षमता के रूप में अपनाया जा रहा है। इसके बेहतर परिणाम देखे जा रहे हैं। खिलाड़ियों को रणनीति तैयार करने, विश्लेषण करने, प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों के खेलने की शैली को बेहतर तरीके से समझने, गलतियों से सीखने और अपनी क्षमता को बढ़ाने में एआइ का इस्तेमाल शुरू हो गया है। खिलाड़ियों की सेहत बनाए रखने के लिए एआइ का बेहतर इस्तेमाल प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को दुरुस्त रखने में मददगार साबित हो सकता है। इससे खिलाड़ियों को बीमारियों से बचाने में भी मदद ली जाने लगी है।

एआइ का खेलों में सबसे अधिक उपयोग खिलाड़ियों के त्वरित निर्णय और डेटा आधारित विश्लेषण में किया जा रहा है। इससे विश्लेषण में पारदर्शिता और विश्वसनीयता आई है। शतरंज के खेल में प्रतिद्वंद्वी की चालों का अनुमान लगाने और खिलाड़ियों को नई रणनीतियां सुझाने में एआइ का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी तरह वीडियो गेम में एआइ खेल के तौर-तरीके तैयार करती है। यह गलतियों की पहचान करती है और अभ्यास के लिए मार्गदर्शन देती है। इस नए साधन की मदद से खिलाड़ी तेजी से सुधार करते हैं। इससे खिलाड़ियों की निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है। जैसे-जैसे एआइ का उपयोग बढ़ रहा है। खिलाड़ी इसके जरिए अपनी सफलता पर अधिक आश्वस्त होने लगे हैं।

खिलाड़ी एआइ के जरिए अपने प्रदर्शन का बेहतर विश्लेषण बहुत कम समय में कर सकता है। इसमें कैमरे और सेंसर के माध्यम से खिलाड़ियों की गतिविधियों और गति के वास्तविक समय का विश्लेषण करना आसान हो जाता है। इसी तरह खिलाड़ियों की जरूरतों के मुताबिक अनुकूलित प्रशिक्षण और आहार योजनाएं तैयार करने में भी एआइ की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। यह बीमारी को जल्दी समझने और स्वास्थ्य बेहतर बनाए रखने में बहुत उपयोगी साबित हो रही है। कृत्रिम मेधा शारीरिक डेटा की निगरानी कर खिलाड़ियों में थकान या चोट के जोखिम के बारे में पहले से ही बता सकती है। व्यक्तिगत प्रशिक्षण के लिए भी यह बहुत उपयोगी है। यह खिलाड़ियों की जरूरतों के अनुसार अनुकूलित प्रशिक्षण और अन्य योजनाएं तैयार करने में मदद करती है। खासकर हर तरह का सुधार लाने में मददगार साबित होती है। रेफरी और अंपायर के लिए सटीक निर्णय लेने में एआइ बेहतर निर्णय लेने में सहायता करती है। पिछले मैचों के दृश्य और आंकड़ों का गहन विश्लेषण कर प्रतिद्वंद्वी की ताकत और कमजोरी का पता इसके जरिए लगाया जाता है। यह नई प्रतिभाओं की खोज में भी बेहद सहायक है। इससे खेल की दुनिया में तमाम प्रतिभावान बच्चों को अधिक अवसर हासिल हो रहा है।

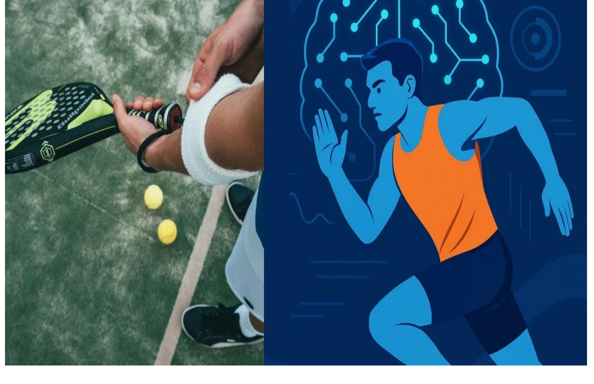

एआइ भले ही बुद्धिमत्ता का अब तक का सबसे बेहतर विकल्प मानी जा रही हो, लेकिन मानव के निर्णय लेने की क्षमता और अनुभव का कोई विकल्प नहीं है। जाहिर तौर पर खिलाड़ी की असली क्षमता इस बात से तय होती है कि यह एआइ को एक साधन के रूप में कैसे उपयोग करता है और वह अपने अनुभव का सही उपयोग और स्वतंत्र निर्णय लेने की कितनी क्षमता रखता है। एआइ केवल गति नाप सकती है और विश्लेषण कर सकती है, जबकि मानव खेल को भावना और रचनात्मकता देता है। खेल भावना से जुड़ी संवेदनाओं को एआइ नहीं समझ सकती। इसलिए कई कमियां भी एआइ में बताई जा रही हैं। भारत में 'खेलो इंडिया' के तहत नौ से 18 साल के बच्चों की प्रतिभा पहचानने और राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में छह हजार से अधिक खिलाड़ियों के 'बायोमैकेनिकल प्रोफाइलिंग' के लिए एआइ का उपयोग किया जा रहा है। खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर करने के मद्देनजर उनको वैज्ञानिक तरीके से निखारने और डेटा-आधारित दिशा देने के उद्देश्य से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली ने भी इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। इससे खिलाड़ियों में नई ऊर्जा, शक्ति और उत्साह का संचार होना लाजिमी है।

खेल प्राधिकरण यूनिवर्सिटी आफ एक्सेटर की मदद से खेल प्रौद्योगिकी के द्वारा अभ्यास और डेटा एनालिटिक्स पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू कर रहा है। यह देश में खेल विज्ञान और तकनीक के समन्वय की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। यह प्रशिक्षण खासतौर पर खेल विशेषज्ञों, कोच, फिजियो फिटनेस विशेषज्ञों और खेल उद्यमियों के लिए तैयार किया गया है। एआइ का इस्तेमाल खेल और खिलाड़ियों के जरिए करने से भारत खेल की दुनिया में ऊंचा मुकाम हासिल कर सकता है। पिछले एक दशक में शतरंज, क्रिकेट, बास्केटबाल, तेज दौड़, तैराकी और तीरंदाजी सहित तमाम खेलों में एआइ के इस्तेमाल के मामले में हम आगे बढ़ गए हैं। आने वाला वक्त खिलाड़ियों के लिए विश्व स्तर पर कम समय में कामयाबी हासिल करने में एआइ की भूमिका कहीं ज्यादा हो सकेगी। ऐसा एआइ के जानकार मानते हैं।

हालांकि यह भी मानना है कि कृत्रिम मेधा का अधिक उपयोग खिलाड़ियों के लिए नुकसानदायक भी हो सकता है। इस पर निर्भरता से खिलाड़ी की स्वयं की निर्णय लेने की क्षमता में धीरे-धीरे कमी आने लगती है, जिससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है।

इसी तरह बहुत जरूरी होने पर यदि एआइ की उपलब्धता नहीं हो पाई, तो ऐसे में खिलाड़ी असहज महसूस करता है, जिससे खिलाड़ी की रणनीति पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। यों एआइ में स्वतः स्फूर्ति-भावनाएं, प्रतिस्पर्धा और त्वरित निर्णय की क्षमता नहीं होती है। ऐसे में इसका उपयोग खिलाड़ी के लिए उल्टा परिणाम दे सकता है। इसलिए इसका इस्तेमाल बहुत सोच-समझ कर करने की जरूरत होगी। यह भी देखना होगा कि यह समाधान के बजाय समस्या न बन जाए। एआइ के जरिए सकारात्मक परिणामों के लिए नए-नए प्रयोग और शोध हो रहे हैं। इससे खेल की दुनिया में भारत चीन, अमेरिका, ब्राजील, जापान, रूस, कोरिया और फ्रांस जैसे देशों की कतार में आ सकता है।

पिछले नौ वर्षों में 3, 367 लेटर ऑफ कम्फर्ट किए गए जारी, उत्तर प्रदेश की औद्योगिक प्रगति का स्वर्णिम शिलालेख है निवेश मित्र 3.0 : नन्दी

जबकि 2012 से 2017 के बीच मात्र 16 लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किये गए थे

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोकभवन लखनऊ में आयोजित निवेश मित्र 3.0 के शुभारम्भ एवं लेटर ऑफ कम्फर्ट और सब्सिडी वितरण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी भी सम्मिलित हुए।

मंत्री नन्दी ने कुछ अलग अंदाजइन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि काबिल-ए-तारीफ है अंदाज एक-एक काम का।

गा रही है गीत यूपी योगी जी के नाम का.....।

मंत्री नन्दी ने कहा कि हमारी सरकार की नीतियों एवं नियत के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश में निवेश का अभूतपूर्व माहौल है जिसके फलस्वरूप लगभग 50 लाख करोड़ के निवेश प्राप्त हुए हैं।

निवेश मित्र उत्तर प्रदेश की औद्योगिक प्रगति का स्वर्णिम शिलालेख है। पिछले 9 वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश का औद्योगिक परिवेश फर्श से अर्श पर आया है। इसकी पृष्ठभूमि में निवेश मित्र जैसी सिंगल विण्डो प्रणाली का बेहद बहुमूल्य योगदान है।

निवेश मित्र सिंगल विण्डों सिस्टम ने भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को प्रभावी और प्रबल बनाया है। पूरी निवेश प्रक्रिया करप्शन फ्री हुई है।

इस नये संस्करण का शुभारम्भ इस दिशा में नई उपलब्धि का अवसर है। यह तीसरा संस्करण अधिक दक्षता और अधिक कुशलता के साथ समयबद्ध रूप से उद्यमियों की समस्याओं के निराकरण का मार्ग प्रशस्त करेगा। एमओयू से लेकर प्रोडक्शन तक की पूरी प्रक्रिया को नई रफ्तार मिलने के साथ ही प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही भी सुनिश्चित की गयी है।

सेवा एवं संकल्प को समर्पित डबल इंजन सरकार के 9 वर्ष उत्तर प्रदेश के औद्योगिक और आर्थिक विकास की दृष्टि से अभूतपूर्व कीर्तिमानों से भरे हुये हैं। आदर्श कानून व्यवस्था, सेक्टर वाइज औद्योगिक नीति, जवाबदेह कार्यप्रणाली और निवेशकों के हितों के संरक्षण ने उत्तर प्रदेश को निवेश के सर्वश्रेष्ठ गंतव्य के रूप में स्थापित किया है।

मंत्री नन्दी ने कहा कि जहाँ वर्ष 2012 से 2017 के बीच मात्र 16 लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किये गए थे वहीं पिछले 9 वर्ष के दौरान 3, 367 लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किये गए हैं। लगभग 200 प्रतिशत की ऐतिहासिक वृद्धि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कमिटमेन्ट का प्रमाण है। एक कहावत है- हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या। यह आंकड़ा इसी बात का स्पष्ट प्रमाण है।

मंत्री नन्दी ने कहा कि सब्सिडी वितरण में भी 6 गुना की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हमारी कथनी और करनी एक है। हम वादा करते हैं और वादा निभाते भी हैं। इसी का परिणाम है कि आज निवेशक उत्तर प्रदेश पर भरपूर भरोसा और विश्वास जता रहे हैं।

कहा कि अभी कुछ दिनों पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में जापान और सिंगापुर जाने का अवसर मिला। वहाँ के निवेशकों में जिस प्रकार का उत्साह और सकारात्मक रुझान देखने को मिला वह उत्तर प्रदेश के बदलाव की कहानी को बयां करता है। 25 करोड़ प्रदेशवासी इस नये उत्तर प्रदेश और उसके सशक्त नेतृत्व पर गौरव की अनुभूति करते हैं।

इन्डस्ट्री फ्रेंडली इकोसिस्टम, वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर, प्रैक्टिकल इंडस्ट्रियल पॉलिसी, परफेक्ट लॉ एन्ड ऑर्डर और इन्वेस्टमेंट सेक्योरिटी ने उत्तर प्रदेश को भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में पहचान दी है।

अपने संबोधन को विराम देते हुए मंत्री नन्दी ने कहा कि अम्न में है यूपी का गुलशन, योगी जी को जिन्दाबाद। बोल रही है धड़कन-धड़कन, योगी जी को जिन्दाबाद। बाद जमाने के यूपी में, न्याय का सूरज निकला है। कॉप रहा है खौफ से माफिया, योगी जी को जिन्दाबाद।

पीपीएस विमल किशोर मिश्रा बने एसीपी कर्नलगंज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस कमिश्नर जोगेन्द्र कुमार ने प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में तीन एसीपी के कार्यक्षेत्र में आज बदलाव किया है। जानकारी के अनुसार अपराध शाखा में रही एसीपी कुंजलता को झूंसी का एसीपी बनाया गया है, वहीं विमल किशोर मिश्रा को कर्नलगंज और वेद व्यास मिश्रा को बारा का एसीपी नियुक्त किया गया। प्रयागराज में पीपीएस एसीपी विमल किशोर मिश्रा का जलवा बरकरार है। पिछले तीन वर्षो से लगातार चार्ज पर हैं। वह मेजा (मेजा, घूरपुर और बारा) और झूंसी में लंबा समय बिताने के बाद अब कर्नलगंज के अब एसीपी बने है। लखीमपुर खीरी निवासी एसीपी विमल किशोर मिश्र 2017 - 18 बैच के पीपीएस है। सरल स्वभाव, मृदुभाषी और लोगों की समस्या सुनकर उसका एसीपी विमल मिश्रा तुरंत समाधान करते थे। वह प्रयागराज के जिन क्षेत्रों में तैनात थे वहां वह बहुत लोकप्रिय भी थे।

अस्मिता योगासन सिटी लीग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अस्मिता योगासन सिटी लीग प्रतियोगिता का आयोजन स्वामी भजनानंद मृत्युंजय धाम सेवा ट्रस्ट छतनाग रोड झूसी प्रयागराज में आयोजित किया गया, यह प्रतियोगिता स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साईं) एवं उत्तर प्रदेश योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सहयोग से प्रतियोगिता कराई गई प्रतियोगिता का उद्घाटन मृत्युंजय धाम सेवा ट्रस्ट के सचिव मनीष कपूर एवं कंपटीशन डायरेक्टर ज्योति पांडेय ने फ़ीता काटकर मैच का शुभारंभ किया कंपटीशन मैनेजर योगाचार्य डॉ प्रशांत तिवारी ने बताया कि प्रतियोगिता दो आयु वर्गों में कराई गई पहले वर्ग 10 साल से 18 वर्ष दूसरा 18 से 55 वर्ष आयु का रखा गया 10 से 18 वर्ष आयु वर्ग में ट्रेडिशनल योग प्रतियोगिता में अंशिका शर्मा प्रथम, आश्री तिवारी द्वितीय, शिवांगी ने तृतीय, चतुर्थ ख्याति पांडेय एवं रूबी ने पंचम स्थान प्राप्त किया, कलात्मक योगासन प्रतियोगिता में अनुष्का शर्मा प्रथम, अन्या द्वितीय, प्रगुण तृतीय, एवं अस्वी ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया, 18 से 55 आयु वर्ग में ट्रेडिशनल योग प्रतियोगिता में अंजलि पाल प्रथम, मंदाकिनी द्वितीय, संगीता सिंह तृतीय, चतुर्थ आस्था तिवारी, एवं पंचम स्थान अंजलि पाण्डेय, ने प्राप्त किया। 18 से 55 आयु वर्ग कलात्मक योगासन प्रतियोगिता में अंजलि पाल प्रथम, संगीता सिंह द्वितीय, स्थान प्राप्त किया समापन के मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की प्रोफेसर अर्चना चल शारीरिक शिक्षा विभाग रही सभी विजेता उपविजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि ने प्रमाण पत्र एवं मैडल देकर सम्मानित किया प्रतियोगिता के निर्णायक, साक्षी त्रिपाठी, राजेश भगत संदीप सिंह अजय हर्षित मिश्रा रिंकी निषाद अनुष्का शिवम अर्चना मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

मां कल्याणी देवी मंदिर में गूंजा, मां कात्यायनी का जयकारा

धैर्य की शक्ति से ही जीवन में भक्ति प्राप्त हो सकती है : डा अनिरुद्ध जी महाराज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मां कल्याणी देवी मंदिर धाम में चल रहे नवरात्रि महोत्सव के षष्ठम दिवस पर प्रातःकाल 5 बजे महामंत्री पंडित श्याम जी पाठक ने विधि विधान पूर्वक मां कल्याणी जी का मंगला आरती कर माता कात्यायनी का आह्वान किया। और दोपहर 2 बजे तक अनेकों श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रांगण में दर्शन पूजन किया और बच्चों को कर्णछेदन और मुंडन कराया और शतचंडी महायज्ञ में भाग लिया और आहूति डाल कर परिक्रमा किया। और शाम 6 बजे मां कल्याणी देवी का श्रृंगार दर्शन का पट भक्तों के लिए खोला गया और मां कल्याणी साक्षात चतुर्भुज रूप धारण कर माता कात्यायनी के दिव्य स्वरूप में भक्तों को दर्शन दिया मां के अलौकिक रूप का श्रृंगार दर्शन प्राप्त कर भक्तों ने मां कात्यायनी का जोरदार जयकारा लगाते रहे और पूरा मंदिर मां के जयकारे से गूंज उठा शाम 7 बजे मां कि महाआरती और मध्य रात्रि 12: 30 शयन आरती अध्यक्ष पंडित सुशील कुमार पाठक जी के द्वारा विधिवत किया गया और उन्होंने बताया कि मंगलवार नवरात्रि के सप्तम दिवस पर मां कल्याणी देवी का श्रृंगार माता कालरात्रि देवी के स्वरूप में किया जाएगा। मेले के प्रबंधन अध्यक्ष सुशील कुमार पाठक महामंत्री श्याम जी पाठक संयोजक अनिल पाठक, दिलीप पाठक, सैकड़ो स्वयं सेवक एवं पुलिस के जवान तैनात रहे।

इस अवसर मां कल्याणी देवी मंदिर धाम के अंतर्गत श्री नवसंवत्सर मानस समिति के द्वारा आयोजित श्री राम कथा के षष्ठम दिवस पर भक्तों को कथा का रसपान कराते हुए कथा व्यास डा अनिरुद्ध जी महाराज ने राम रावण युद्ध का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि मां जानकी भक्ति की प्रतीक है जिन्हें प्राप्त करने के लिए भगवान श्री राम ने अपना धैर्य नहीं खोया और उन्हें विश्वास था। रावण पर विजय प्राप्त करके मां सीता को मुक्त करेंगे और उन्हें पुनः प्राप्त करेंगे। इसीलिए मनुष्य को अपने जीवन में भक्ति प्राप्त करना है तो अपने लक्ष्य पर ध्यान रखते हुए धैर्य रखना होगा निश्चय ही उसे सफलता प्राप्त होगी।

कथा का संचालन प्रवक्ता ओंकार नाथ त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पंडित कृष्ण कुमार पाठक, महामंत्री सुबोध खन्ना, राजेश केसरवानी, मनोज टंडन, कुंवर जी टंडन, राजू यादव सहित सैकड़ों भक्तों ने आरती किया।

चेतक स्क्रीन अवाड्‌र्स 24 नॉमिनेशंस के साथ धुरंधर सबसे आगे

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप की 'स्क्रीन एकेडमी' ने आगामी 5 अप्रैल को होने वाले 'चेतक स्क्रीन अवाड्‌र्स' के लिए सभी 31 श्रेणियों में नामांकनों की घोषणा कर दी है।

नवरात्रि, संयम, नियंत्रण और साधना का पावन पर्व

नवरात्रि, भीतर की ओर लौटने का अवसर : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। नवरात्रि के पावन अवसर पर देशभर में माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ की जा रही है। यह पर्व हमें जीवन में संयम, नियंत्रण और साधना के महत्व का स्मरण कराता है। बाहरी जगत की चकाचौंध के बीच नवरात्रि हमें भीतर की ओर मुड़ने, स्वयं को समझने और अपनी चेतना को ऊँचा उठाने की प्रेरणा देती है। नवरात्रि पर्व हमारे विचारों, व्यवहार और जीवनशैली में शुद्धता लाने का एक सशक्त माध्यम है। उपवास का तात्पर्य केवल आहार का त्याग नहीं, बल्कि मन के विकारों यथा क्रोध, अहंकार, लोभ और द्वेष से दूरी बनाना है।

परमार्थ निकेतन में नवरात्रि उत्सव को अत्यंत आध्यात्मिक वातावरण में मनाया जा रहा है।

इस अवसर पर नवरात्रि रिट्रिट का आयोजन किया गया जिसमें साधकों ने सहभाग किया। गंगा तट पर आयोजित दिव्य गंगा आरती में श्रद्धालु माँ के प्रति अपनी भक्ति अर्पित करते हैं। इस अवसर पर विशेष रूप से माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों का पूजन, यज्ञ, भजन-कीर्तन, ध्यान-साधना, योग व ध्यान का आयोजन किया जा रहा है।

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने अपने संदेश में कहा कि नवरात्रि हमें केवल बाहरी अनुष्ठानों तक सीमित नहीं रखती, बल्कि यह हमें आंतरिक साधना के मार्ग पर अग्रसर करती है। पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि आज के युग में, जब जीवन अत्यधिक व्यस्त और तनावपूर्ण हो गया है, तब नवरात्रि का स्वयं से जुड़ने का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। संयमित जीवनशैली, सकारात्मक सोच और नियमित साधना ही हमें मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बना सकती है। नवरात्रि के नौ दिन हमें अपने भीतर की शक्ति को पहचानने और उसे जागृत करने का अवसर प्रदान करते हैं। माँ दुर्गा के प्रत्येक स्वरूप में कहीं साहस, कहीं करुणा, कहीं ज्ञान और कहीं धैर्य जैसी विशेष ऊर्जा और संदेश निहित है। यदि हम इन गुणों को अपने जीवन में उतारें, तो हमारा व्यक्तित्व संतुलित और सशक्त बन सकता है।

आज की युवा पीढ़ी के लिए नवरात्रि एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है। यह उन्हें अपने मूल्यों और संस्कारों से जोड़ने के साथ-साथ जीवन में अनुशासन और संतुलन बनाए रखने का संदेश भी देती है। यदि युवा वर्ग इस पर्व के वास्तविक अर्थ को समझकर उसे अपने जीवन में अपनाए, तो वह न केवल स्वयं को, बल्कि समाज और राष्ट्र को भी सशक्त बना सकते है।

नवरात्रि का यह पावन पर्व हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि हम अपने जीवन में संयम, नियंत्रण और साधना को अपनाकर एक श्रेष्ठ समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

कैनन इंडिया ने मार्केट शेयर के लिहाज से पहले स्थान पर रहते हुए लगातार 10 साल पूरे किए

प्रयागराज। आईडीसी वर्ल्डवाईड क्वाटरली हार्डकॉपी पेरिफेरल्स ट्रैकर क्यू4 2025 के मुताबिक डिजिटल इमेजिंग सॉल्यूशंस में अग्रणी

कंपनी, कैनन इंडिया ने आज कलर, मोनो और ओवरऑल लेज़र कॉपियर बेस्ड एम.एफ.पी सेगमेंट में लगातार नं. 1 स्थान पर रहते हुए 10 साल पूरे कर लिए।

मणिपाल हॉस्पिटल द्वारका ने 14 साल की लड़की की जान बचाई

वाराणसी। मणिपाल हॉस्पिटल, द्वारका के डॉक्टरों ने एक 14 साल की लड़की के गैस्ट्रोएसोफेजियल कैंसर का सफल इलाज किया है। इस लड़की को गैस्ट्रोएसोफेजियल (जी.ई) जंक्शन, जहाँ फूड पाईप पेट से मिलता है, वहाँ पर सिग्नेट रिंग कार्सिनोमा था।

ज़ी टीवी के सितारों ने राम नवमी पर भगवान राम के प्रति जताई अपनी श्रद्धा और भक्ति

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राम नवमी एक ऐसा त्यौहार है जो आस्था, भक्ति और सच्चाई की जीत का एहसास दिलाता है। देशभर में लोग इसे पूरे विश्वास और खुशी के साथ मनाते हैं। भगवान विष्णु के सातवें अवतार भगवान राम के जन्म के रूप में मनाया जाने वाला ये दिन सच, कर्तव्य, करुणा और ईमानदारी जैसे मूल्यों की याद दिलाता है।

कोल्ड स्टोरेज हादसा : पूर्व मंत्री समेत तीन वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, अमोनिया गैस विस्फोट में 4 की मौत

हादसे में 4 मजदूरों की मौत, 18 को किया गया रेस्क्यू

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। फाफामऊ थाना क्षेत्र के चंदापुर मोरहू स्थित आदर्श कोल्ड स्टोरेज में हुए भीषण अमोनिया गैस विस्फोट मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में पूर्व मंत्री समेत तीन वांछित अभियुक्तों को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।

घटना सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे की है, जब कोल्ड स्टोरेज में कूलिंग के लिए इस्तेमाल किए जा रहे अमोनिया गैस चैम्बर के फटने से पूरी इमारत का एक हिस्सा ढह गया। दीवार और छत गिरने से कई मजदूर मलबे में दब गए।

सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राहत एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड और नगर निगम की संयुक्त टीम ने अभियान चलाकर कुल 18 लोगों को मलबे से बाहर निकाला। सभी को अस्पताल भेजा गया, जहां चार मजदूरों की मृत्यु हो गई, जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है और उनकी स्थिति अब सामान्य बताई जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना फाफामऊ में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। इसमें लापरवाही, सुरक्षा मानकों की अनदेखी और आपराधिक कृत्य से संबंधित धाराएं शामिल हैं।

नामजद अभियुक्तों में अंसार अहमद, जावेद, मो. असलम, अलाउद्दीन, उस्मान (मैनेजर), मंजूर इलाही और मो. इरफान सहित अन्य अज्ञात लोग शामिल हैं।

पुलिस आयुक्त और अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह के पर्यवेक्षण में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन वांछित अभियुक्तों में अंसार अहमद, अलाउद्दीन, मंजूर इलाही को मलाक हरहर स्थित भदरी रेलवे ओवरब्रिज के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने एक फॉर्च्यूनर कार (UP 70 DZ 1504) तथा कोल्ड स्टोरेज से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज और रजिस्टर भी बरामद किए हैं। मुख्य आरोपी अंसार अहमद का पूर्व में भी गंभीर आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ 2019 में कर्नलगंज थाने में कई धाराओं में मुकदमा दर्ज हो चुका है। पुलिस के अनुसार मामले में अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के कारणों की गहन जांच की जा रही है, जिसमें सुरक्षा मानकों की अनदेखी प्रमुख कारण मानी जा रही है।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक परिवारों के लिए लॉन्च किया 'फॉर्च्यून आटा विद मल्टीग्रेन्स

वाराणसी। भारत की एक बड़ी एग्री-बिज़नेस कंपनी, एडब्ल्यूएल एग्री बिज़नेस, वैल्यू-ऐडेड फूड सेक्टर में अपनी पकड़ और मज़बूत कर रही है।

भिवंडी मनपा का 1179 करोड़ का बजट पेश, शिक्षा-पानी-इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा फोकस

73.96 लाख की शिल्लक के साथ विकास योजनाओं को दी प्राथमिकता

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगर पालिका ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का संशोधित और 2026-27 का मूल बजट मंगलवार को पेश किया। मनपा आयुक्त अनमोल सागर द्वारा प्रस्तुत इस बजट का कुल आकार 1179 करोड़ 10 लाख 97 हजार रुपये रखा गया है, जिसमें 73.96 लाख रुपये की शिल्लक दर्शाई गई है। मनपा मुख्यालय में आयोजित बजट सत्र में महापौर नारायण रतन चौधरी, उपमहापौर तारीक अब्दुल बारी मोमीन, अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके व नयना ससाणे तथा मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी रामप्रसाद सोलुंके सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस बार का बजट शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, शिक्षा सुधारने और जल आपूर्ति बढ़ाने पर केंद्रित बताया जा रहा है। मनपा ने बजट को नौ प्रमुख विभागों–पानी आपूर्ति, मल-निस्सारण, महिला व बाल कल्याण, दिव्यांग कल्याण, शिक्षा, परिवहन, अग्निशमन व आपदा प्रबंधन–में विभाजित किया है।

शिक्षा और परिवहन को बढ़ावा

बजट में 'एपीजे अब्दुल कलाम शिक्षा

अभियान' के तहत मनपा स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए 1 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। वहीं पीएम ई-बस योजना में मनपा की हिस्सेदारी के रूप में 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे शहर में सार्वजनिक परिवहन को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

पानी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा निवेश

अमृत 2.0 योजना के तहत 100 एमएलडी जल आपूर्ति परियोजना के लिए 25 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा शहर के समग्र विकास और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए 59.42 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।संपत्ति कर व्यवस्था को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए उद्द मैपिंग प्रोजेक्ट हेतु 10 करोड़ रुपये रखे गए हैं, जबकि मनपा स्कूलों की मरम्मत और नवीनीकरण के लिए 4 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

सामाजिक कल्याण पर विशेष ध्यान

महिला, बाल और दिव्यांग कल्याण योजनाओं के लिए 326.40 लाख रुपये की अलग से व्यवस्था की गई है। साथ ही अग्निशमन और तकनीकी विभाग में कुशल कर्मियों की कमी को देखते हुए 3.50 करोड़ रुपये खर्च कर ठेका कर्मचारियों की नियुक्ति की योजना बनाई गई है। कुल मिलाकर, मनपा का यह बजट विकास उन्मुख बताया जा रहा है, जिसमें बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ सामाजिक कल्याण को भी प्राथमिकता दी गई है। हालांकि, अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि घोषित योजनाएं जमीनी स्तर पर कितनी तेजी से लागू होती हैं।

स्कूल परिसर में हर साल भरता है पानी

भिवंडी मनपा सभा में गूंजा जलभराव का मुद्दा

नगरसेविका रुकसाना तांबोली ने उठाई बच्चों की सुरक्षा की चिंता, तत्काल समाधान की मांग

भिवंडी। भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगर पालिका की महासभा में वार्ड क्रमांक 15 की नगरसेविका रूकसाना आरिफ तांबोली ने नवीबस्ती स्थित स्कूल परिसर में जलभराव की गंभीर समस्या को जोरदार तरीके से उठाया। नगरसेविका तांबोली ने सदन का ध्यान स्कूल नंबर 57/60, गौतम नारायण चौधरी स्कूल के परिसर में हर वर्ष बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की ओर आकर्षित करते हुए इसे छात्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय बताया।उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान स्कूल के कंपाउंड में बड़े पैमाने पर पानी जमा हो जाता है, जिससे विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। छोटे-छोटे बच्चों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।तांबोली ने यह भी बताया कि जलभराव के कारण न केवल छात्रों की दिनचर्या प्रभावित होती है, बल्कि स्कूल का शैक्षणिक वातावरण भी बाधित होता है। कई बार अभिभावक भी बच्चों को स्कूल भेजने से कतराते हैं, जिससे शिक्षा पर असर पड़ता

है।उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए नालों की नियमित और व्यापक सफाई, जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा भविष्य में जलभराव रोकने के लिए स्थायी योजना बनाने पर जोर दिया। नगरसेविका ने प्रशासन से अपील की कि विद्यार्थियों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस समस्या का जल्द समाधान किया जाए, ताकि बच्चों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में शिक्षा मिल सके। महासभा में उठे इस मुद्दे के बाद अब प्रशासन की कार्यवाही पर सभी की नजरें टिकी हैं।

उज्जैन में महाकाल मंदिर के पास चला बुलडोजर लीज खत्म होने पर 16 अवैध ढांचे जमींदोज

भोपाल **(एजेंसी)**। नगर निगम की एक टीम ने महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के पास स्थित बेगम बाग कॉलोनी में कथित अवैध ढांचों और मकानों को उनके पट्टे की अवधि समाप्त होने के बाद ध्वस्त कर दिया। प्रशासन ने लगभग 11 भूखंडों पर निर्मित लगभग 16 ढांचों को हटाया। इस प्रक्रिया के दौरान, पुलिस बल की तैनाती और बैरिकेडिंग सहित उचित सुरक्षा उपाय किए गए थे। अधिकारियों के अनुसार, उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) ने 1985 में बेगम बाग क्षेत्र में आवासीय उपयोग के लिए 30 साल के पट्टे पर भूखंड दिए थे। लेकिन इन भूखंडों का आवासीय उपयोग करने के बजाय, भूखंडधारकों ने इनका व्यावसायिक गतिविधियों के लिए उपयोग किया, जो नियमों का उल्लंघन है। इसके अलावा, पट्टे 2014-15 में समाप्त हो गए थे और उनका नवीनीकरण नहीं किया गया था। यूडीए ने इन भूखंडों के संबंध में कई नोटिस जारी किए और प्राधिकरण ने 2023-24 में भूखंडधारकों के पट्टे समाप्त कर दिए।

इसके बाद प्लॉट धारकों ने अदालतों का रुख किया, जहां उन्हें स्थगन आदेश प्राप्त हुआ। इन प्लॉटों से संबंधित मामले विभिन्न अदालतों में लंबित रहे। निचली अदालतों, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उनकी याचिकाएं खारिज किए जाने के बाद, विध्वंस की कार्यवाही शुरू की गई। उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी ने कहा, इस क्षेत्र को एक आवासीय योजना के तहत विकसित किया गया था और लोगों को आवासीय उपयोग के लिए प्लॉट पट्टे पर दिए गए थे। लेकिन लोगों ने प्लॉट का दुरुपयोग किया, जिसके परिणामस्वरूप उल्लंघन के कारण लगभग 45 पट्टे रद्द कर दिए गए। इसी क्रम में, आज लगभग 11 प्लॉटों पर बने 16 ढांचों को हटाया जा रहा है। जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम प्राधिकरण हटाने की प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं, जिसके बाद भूमि को अपने नियंत्रण में ले लिया जाएगा। चूंकि भूमि उज्जैन विकास प्राधिकरण की है, इसलिए इसे उसके कब्जे में ले लिया गया है। इसके साथ ही, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा हरि फाटक पुल के चौड़ीकरण और सड़क निर्माण में इन जमीनों का उपयोग किया जाएगा।

पद्मशाली समाज के जनप्रतिनिधियों और पुरस्कार विजेताओं का भव्य सम्मान

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी में अखिल पद्मशाली समाज भिवंडी और महाराष्ट्र राज्य पद्मशाली संघ के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को पद्मशाली समाज के जनप्रतिनिधियों और राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित व्यक्तियों का भव्य सत्कार समारोह आयोजित किया गया। शहर के सांस्कृतिक भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में श्रीधर सुकनवार, प्रह्लाद सुरकुटवार, पूर्व विधायक कैलास गोरंट्याल, कमुटम भूपती, कोनक मल्लेशम, अवधूत बलराम और गाजेंगी राजू सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान भिवंडी, सोलापुर, ग्रेटर मुंबई, जालना, अहमदनगर, पुणे, नांदेड और संगमनेर समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों से 50 से अधिक जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। साथ ही समाज के उन प्रतिभावान लोगों को भी सम्मानित किया गया, जिन्हें राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

कार्यक्रम में समाज की एकजुटता और विकास पर विशेष जोर दिया गया। अखिल पद्मशाली समाज के अध्यक्ष पोट्टाबत्तीनी ने बताया कि महाराष्ट्र में समाज की आबादी लगभग एक करोड़ है और विभिन्न महानगरपालिकाओं में समाज के युवा जनप्रतिनिधि चुनकर आ रहे हैं, जो गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि सोलापुर में 18-19 नगरसेवक और पूरे राज्य में करीब 50 जनप्रतिनिधियों का चुना जाना समाज की बढ़ती ताकत को दर्शाता है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि एसबीसी (एँण) वर्ग में शामिल होने के बावजूद समाज को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिसे लेकर एकजुट होकर आवाज उठाने की जरूरत है। वहीं कैलास गोरंट्याल ने अपने संबोधन में कहा कि समाज के जनप्रतिनिधियों और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं का सम्मान करना गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि पद्मशाली समाज पहले केवल चेननेट और पावरलूम उद्योग तक सीमित था, लेकिन अब युवा आईटी और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहे हैं.समारोह उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ, जिसमें समाज की एकता और प्रगति का संदेश प्रमुख रूप से सामने आया।

पाकिस्तानी गैंगस्टर टेरर नेटवर्क बेनकाब

ग्रेनेड अटैक की थी प्लानिंग, मॉड्यूल का खास गुर्गा गिरफ्तार, यूपी से है गहरा कनेक्शन

लखनऊ **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सक्रिय एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश करते हुए दिल्ली पुलिस विशेष प्रकोष्ठ ने पाकिस्तान से संचालित नेटवर्क की साजिश को नाकाम कर दिया है। इस कार्रवाई में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है, जो सोशल मीडिया के जरिए विदेशी हैंडलर्स के संपर्क में रहकर देश में गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी कर रहा था।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान 18 वर्षीय हरमनदीप सिंह उर्फ हरमन के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के रामपुर का निवासी है। जांच में सामने आया है कि वह पाकिस्तान में बैठे गैंगस्टर से आतंकी बने शहज़ाद भट्टी और उसके सहयोगियों से लगातार संपर्क में था। आरोपी के मोबाइल फोन से आपत्तिजनक चैट, फोटो और वीडियो बरामद हुए हैं, जिनमें विदेशी हैंडलर्स के साथ उसकी बातचीत के सबूत मिले हैं।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी को पहले छोटे-छोटे टास्क दिए जाते थे। इसी क्रम में उसे 'टीटीएच'नाम से ग्रैफिटी लिखने और उसकी फोटो-वीडियो बनाकर भेजने के निर्देश मिले थे। उसने पंजाब के होशियारपुर और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में इस तरह की गतिविधियां अंजाम दीं। जांच एजेंसियों का कहना है कि इस तरह की ग्रैफिटी का मकसद डर का माहौल बनाना और नेटवर्क की मौजूदगी दिखाना था।

पूछताछ में खुलासा हुआ है कि विदेशी हैंडलर्स सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को टारगेट करते थे। उनके प्रोफाइल का विश्लेषण कर उन्हें पैसे, पहचान और विदेश भेजने का लालच दिया जाता था। आरोपी को भी काम के बदले मोटी रकम और दुबई भेजने का आश्वासन दिया गया था।

पुलिस के अनुसार, शुरुआती टास्क के बाद आरोपी को संवेदनशील स्थानों की रेकी, वीडियो बनाना और आगे चलकर बड़े हमलों के लिए तैयार किया जा रहा था। जांच में यह भी सामने आया कि रामपुर में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमले की साजिश रची जा रही थी।

मुजफ्फरनगर में अपराधियों ने युवक को दौड़ा कर मारी गोली, अवैध संबंध में हत्या की आशंका

मुजफ्फरनगर **(एजेंसी)**। जिले के एक गांव में कथित तौर पर पुरानी रंजिश में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार घटना सोमवार शाम भोपा थाना क्षेत्र के शाहदरा बांगर गांव में उस वक्त की है जब अक्षय (26) अपने खेत से घर लौट रहा था, तभी गांव के तीन लोगों ने उस पर गोली चला दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक युवक की विवाहित प्रेमिका ने भी कुछ महीने पूर्व जहरीला प्रदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली थी। आशंका जताई जा रही है कि बदले की भावना में हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक अक्षय का गांव की ही एक विवाहित महिला के साथ उसके अवैध संबंध थे। कुछ महीने पूर्व जब महिला के परिजनों को इस बात का पता चला तो महिला ने जहरीला प्रदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। बस तभी से मृतक महिला के परिजन अक्षय की हत्या करने की फिराक में थे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार ने संवाददाताओं को बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मनोज कुमार, युवक और भरत के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है और इन सभी की गिरफ्तारी के लिए तीन टीम गठित की गई हैं।

बागी विधायक पूजा पाल ने योगी सरकार की शान में गढ़े कसीदे

कहा- अगर अखिलेश होते सीएम, तो मेरी हत्या हो जाती

लखनऊ **(एजेंसी)**। फ़िल्म धुरंधर 2 में अतीक अहमद के मर्डर को लेकर चायल विधानसभा सीट से विधायक पूजा पाल ने समाजवादी पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि यदि अखिलेश यादव की सरकार होती या वे मुख्यमंत्री होते, तो अब तक उनकी हत्या हो चुकी होती। पूजा पाल ने कहा कि अगर वे आज हैं तो इसकी वजह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। उन्होंने योगी आदित्यनाथ को 'धुरंधर' मुख्यमंत्री बताया। मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूजा पाल ने कहा कि योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश के एक धुरंधर मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने अतीक और मुख्तार अंसारी जैसे माफियाओं के साम्राज्य का सफाया किया है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म ने समाजवादी पार्टी और अतीक अहमद के संबंधों को उजागर किया है। पूजा पाल ने आरोप लगाया कि अतीक अहमद सपा के संरक्षण में रहकर देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा था। उन्होंने कहा कि अतीक केवल उनका ही गुनहगार नहीं था, बल्कि उसने उनके पति राजू पाल की हत्या की थी। उन्होंने कहा कि अतीक ने न केवल उनकी ज़िंदगी बर्बाद की, बल्कि हजारों परिवारों की ज़िंदगी तबाह की। अतीक लोगों की हत्याएँ कर और नशे के कारोबार के ज़रिए युवाओं व समाज को नुकसान पहुँचा रहा था।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के संरक्षण में अतीक अहमद और उसके गुर्गों ने नकली नोटों का व्यापार किया और देश की सुरक्षा से खिलवाड़ किया। पार्टी को उसकी गतिविधियों की जानकारी थी, लेकिन उसके खिलाफ कार्रवाई

अखिलेश यादव को पसंद नहीं आई। उन्होंने आरोप लगाया कि अतीक अहमद, समाजवादी पार्टी का एक बड़ा फाइनेंसर था, जिसकी मौत से अखिलेश यादव असंतुष्ट थे। इसी कारण रामगोपाल यादव ने कथित तौर पर कहा कि सत्ता में आने पर अतीक अहमद की हत्या का बदला लिया जाएगा।

पूजा पाल ने कहा कि शब्द भले ही राम गोपाल यादव के हों, लेकिन विचार अखिलेश यादव के हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा का पूरा सिस्टम ही हत्यारों अपराधियों को बचाने का काम करता है। उन्होंने यह भी कहा कि अखिलेश यादव अतीक की क़ब्र पर फ़ातिहा पढ़ने भी पहुँच जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने अतीक के गैंग के खिलाफ कार्रवाई का स्वागत किया, तो उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया। उन्होंने कहा कि अगर अतीक की हत्या के बाद भी वे जीवित हैं, तो इसका एकमात्र कारण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं।

योगी सरकार ने 5.76 करोड़ से अधिक इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड तैयार किये, पूरे देश में शीर्ष पर उत्तर प्रदेश

लखनऊ **(एजेंसी)**। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले नौ वर्षों के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। योगी सरकार ने इस दौरान न केवल आधारभूत ढांचे को मजबूत किया, बल्कि डिजिटल हेल्थ, आपात सेवाओं, मातृ-शिशु देखभाल समेत स्वास्थ्य सेवा के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छुआ है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश आज कई स्वास्थ्य मानकों पर देश में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है।

योगी सरकार ने प्रदेश में डिजिटल हेल्थ के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए 5.76 करोड़ से अधिक इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड तैयार किए हैं। माइक्रोसाइट प्रोजेक्ट के तहत 35 माइक्रोसाइट्स का संचालन किया जा रहा है, जहां 4.4 लाख से अधिक रिकॉर्ड पंजीकृत कर प्रदेश ने देश में पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही यूनिफाइड डिजीज सर्विलांस पोर्टल के माध्यम से रोगों की निगरानी और रोकथाम को अधिक प्रभावी बनाया गया है। अस्पतालों में चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और उनकी कार्यक्षमता पर नजर रखने के लिए 'केयर मॉडल' लागू किया गया है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क अल्ट्रासाउंड के लिए ई-वाउचर की सुविधा दी गई है। जननी सुरक्षा योजना के तहत 13, 51, 044 लाभार्थियों को लाभ मिला है, जबकि बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 8, 79, 642 बच्चों का उपचार किया गया है। दस्तक अभियान के जरिए एईएस-जेई जैसी बीमारियों के खिलाफ सघन अभियान चलाया गया। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 22, 681 आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर संचालित हैं। आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट के तहत 13.18 करोड़ से अधिक लोगों का पंजीकरण किया गया

है। हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री में 81, 615 से अधिक पंजीकरण कर प्रदेश देश में अग्रणी बना है।

आयुष्मान भारत योजना के तहत 1.31 करोड़ परिवारों के 5.59 करोड़ लाभार्थियों के कार्ड बनाए गए हैं। 9 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क चिकित्सा सुरक्षा कवच प्रदान किया गया है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 7.34 करोड़ लोग लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के तहत 50.64 लाख परिवारों के 1.50 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा दी गई है। स्वास्थ्य अवसंरचना के विस्तार में भी प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है। सभी जिलों में 873 जन औषधि केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। 63, 407 हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन के साथ उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश में अब तक 13, 353 करोड़ रुपये खर्च कर 81.55 लाख मरीजों का निःशुल्क उपचार किया जा चुका है। आयुष्मान योजना से जुड़े 6, 213 अस्पतालों (2950 सरकारी और 3263 निजी) का नेटवर्क देश में सबसे बड़ा है। आपातकालीन सेवाओं में 108 एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से 4 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ मिला है। एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की संख्या बढ़ाकर 375 कर दी गई है। एम्बुलेंस सेवाओं की पहुंच और क्षमता में सुधार करते हुए प्रतिदिन की दूरी 60 किमी से बढ़ाकर 120 किमी कर दी गई है। इसके साथ ही मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के जरिए 1.80 करोड़ से अधिक मरीजों का उपचार किया गया है।

योगी सरकार में प्रदेश में 75 जिलों के अस्पतालों में निःशुल्क डायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे 41.46 लाख से अधिक मरीज लाभान्वित हुए हैं। जिलों में सीटी स्कैन सेवा शुरू की गई है। दूरदराज के क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन और टेली कंसल्टेशन के माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आईपीएल 2026 : गुजरात टाइटंस की लगातार अच्छी परफॉर्मेंस पर शुभमन गिल की लीडरशिप पर राय

अहमदाबाद **(एजेंसी)**। गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल ने लीडरशिप में साफ सोच और शांत स्वभाव पर जोर दिया क्योंकि टीम आईपीएल 2026 की तैयारी कर रही है और पिछले सीजन में बनाई गई मजबूत और लगातार अच्छी परफॉर्मेंस की नींव पर आगे बढ़ रही है। अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स के 'शुभारंभ 2026' कार्यक्रम में बोलते हुए गिल ने खुद के प्रति ईमानदार रहने और दबाव वाले हालात में शांत रहने के महत्व पर रोशनी डाली।

गिल ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं बस खुद जैसा हूं, और यह शांति मुझे अपने ग्रुप और अपने खेल पर भरोसे और सुरक्षा की भावना से मिलती है। किसी भी हालात में शांत रहने से आपको चीजें ज्यादा साफ दिखती हैं, आप उस पल से आगे देख पाते हैं, बड़ी तस्वीर देख पाते हैं, और आपके पास एक ज्यादा साफ, लंबे समय का नजरिया होता है।' गुजरात टाइटन्स अपने डेब्यू के बाद से ही आईपीएल की सबसे लगातार अच्छा खेलने वाली टीमों में से एक रही है जिसमें पहले सीजन में टाइटल जीतना और 2023 में रनर-अप रहना शामिल है। इसी नींव पर आगे बढ़ते हुए गिल का तरीका लीडरशिप में निरंतरता दिखाता है, जिसमें ग्रुप के अंदर साफ सोच, आत्मविश्वास और भरोसे पर ज़ोर दिया गया है।

टीम की तैयारी के बारे में और जानकारी देते हुए क्रिकेट डायरेक्टर विक्रम सोलंकी ने टीम बनाने में निरंतरता और स्थिरता के महत्व पर जोर दिया। सोलंकी ने कहा, 'जहां तक इस सीजन और टीम बनाने की बात है, पिछला साल हमारे लिए बहुत अच्छा रहा था। हम बस आखिरी रुकावट पर आकर रुक गए। हमने ऑक्शन में बहुत छोटे-मोटे बदलाव किए, बस थोड़े से तालमेल की जरूरत थी।'

उन्होंने कहा, 'पांच नए खिलाड़ी आए हैं और मैथ्यू हेडन भी हमारे साथ जुड़ गए हैं। काम असल में हम सभी के बीच बंटा हुआ है और हम सभी बहुत मेहनत करने की कोशिश करते हैं। हम इन खिलाड़ियों को जितना हो सके, उतना बेहतर तरीके से सपोर्ट करने का ध्यान रखते हैं।' गुजरात टाइटन्स 31 मार्च को मुल्लनपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपना आईपीएल 2026 का सफर शुरू करेगी जिसके बाद 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने पहले घरेलू मैच के लिए अहमदाबाद लौटेगी। एक मजबूत कोर टीम, टीम में कम से कम बदलाव और भरोसे व निरंतरता पर आधारित एक साफ सोच के साथ गुजरात टाइटन्स आईपीएल 2026 में पूरे ध्यान, भरोसे और लंबे समय के नजरिए के साथ उतर रही है।

भगदड़ में 11 फैंस की मौत के बाद उठाया कदम, दर्शकों के प्रबंधन में सुधार के लिए आरसीबी ने किया करोड़ों का निवेश

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश मेनन ने मंगलवार को बताया कि फ्रेंचाइजी ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के अंदर और आसपास भीड़ प्रबंधन ढांचे को मजबूत करने के लिए करीब सात करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह कदम पिछले वर्ष चार जून 2025 को टीम के आईपीएल खिताब जश्न के दौरान स्टेडियम के पास हुई भगदड़ में 11 प्रशंसकों की मौत के बाद उठाया गया है।

इस घटना के बाद आरसीबी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) को सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करने के लिए बाध्य होना पड़ा था। मौजूदा आईपीएल सत्र में गत चैंपियन आरसीबी इस स्टेडियम में पांच मुकाबले खेलेगी जिसकी शुरुआत शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उद्घाटन मैच से होगी। मेनन ने सत्र-पूर्व प्रेस वार्ता में कहा, 'हमने भीड़ प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए लगभग सात करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जिसमें कई बैगेज स्कैनर और कमांड सेंटर शामिल हैं।'

उन्होंने कहा कि सत्र-पूर्व होने वाले लोकप्रिय 'अनबॉक्स' कार्यक्रम के रद्द किए जाने के बावजूद स्टेडियम में दर्शकों को सुरक्षित और सुगम अनुभव सुनिश्चित किया जाएगा। मेनन ने बताया, 'हमने भीड़ प्रबंधन के उपायों को काफी मजबूत किया है। पूरे स्टेडियम, कॉन्कोर्स और आसपास के क्षेत्रों में एआई-आधारित सीसीटीवी प्रणाली लगाई गई है, जो 'जार्विस' नामक एआई टूल से संचालित है।'

उन्होंने कहा कि यह प्रणाली 'रियल-टाइम' अलर्ट देती है, जिसमें प्रत्येक दीर्घा में मौजूद दर्शकों की संख्या की जानकारी शामिल होती है। इससे निगरानी और नियंत्रण बेहतर होगा। इन सीसीटीवी फुटेज तक पुलिस आयुक्त कार्यालय की भी सीधी पहुंच होगी। मेनन के अनुसार, 'फ्रेंचाइजी ने कर्नाटक सरकार और उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित सभी मानकों का पालन किया है।' उन्होंने कहा, 'चार जून के बाद से यह लंबी प्रक्रिया रही है और सभी कार्य युद्धस्तर पर पूरे किए गए हैं। हमने अदालत द्वारा निर्धारित एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) का पूरी तरह पालन किया है।'

उन्होंने स्टेडियम संचालन के संशोधित ढांचे की जानकारी देते हुए कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड, केएससीए और आरसीबी के बीच नए समझौते के तहत राज्य संघ मुख्य आयोजक की भूमिका निभाएगा और आपातकालीन योजनाओं सहित सभी एसओपी को लागू करेगा। इससे पहले आयोजन की पूरी जिम्मेदारी फ्रेंचाइजी की होती थी और केएससीए केवल स्थल प्रदाता (वेन्यू प्रोवाइडर) के रूप में कार्य करता था। मेनन ने कहा कि स्टेडियम में प्रवेश और निकास व्यवस्था को भी नया रूप दिया गया है ताकि गेट पर भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। मैच के दिन टिकट धारकों को मेट्रो सेवा का उपयोग करने की सुविधा दी जाएगी, पार्किंग पहले से बुक की जा सकेगी और सभी गेट मैच शुरू होने से चार घंटे पहले खोल दिए जाएंगे।

मियामी ओपन : जैनिक सिनर ने रचा इतिहास, जोकोविच का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जैनिक सिनर ने मियामी ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए टेनिस की दुनिया में नया इतिहास रच दिया। सिनर ने तीसरे राउंड में कोरेंटाइन मौटे को 6-1, 6-4 से हराकर एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 26 सेट जीतने का रिकॉर्ड बना दिया। इस जीत के साथ उन्होंने सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच का 24 लगातार सेट जीतने का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

सिनर ने मियामी ओपन के दूसरे राउंड में जीत हासिल कर जोकोविच के 24 सेट के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। इसके बाद तीसरे राउंड में जीत हासिल करते ही वह इस रिकॉर्ड से आगे निकल गए। यह मैच हार्ड रॉक स्टेडियम में खेला गया, जहां सिनर ने एकतरफा अंदाज में मैच अपने नाम किया। सिनर का लगातार सेट जीतने का सिलसिला पिछले साल नवंबर में पेरिस मास्टर्स से शुरू हुआ था, जहां उन्होंने बिना एक भी सेट गंवाए खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने इंडियन वेल्स (पैरिबास ओपन) में भी बिना सेट गंवाए खिताब जीता। मियामी में दो जीत के साथ अब वह लगातार 13 मास्टर्स 1000 मैच भी जीत चुके हैं। अब सिनर का अगला मुकाबला एलेक्स मिशेलसन से होगा, जिसने एलेजांद्रो ताबिलो को हराकर अगले राउंड में जगह बनाई। सिनर के पास 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स ६ मियामी ओपन) जीतने का मौका है। पिछली बार यह कारनामा 2017 में रोजर फेडरर ने किया था।

सिनर इस टूर्नामेंट में कोई एटीपी रैंकिंग पॉइंट डिफेंड नहीं कर रहे हैं, ऐसे में उनके पास वर्ल्ड नंबर-1 बनने की रेस में बड़ा मौका है। वहीं उनके प्रतिद्वंद्वी कार्लोस अल्काराज़ तीसरे राउंड में सेबेस्टियन कोर्डा से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

एक अन्य मुकाबले में फ्रांसिस टियाफो ने डिफेंडिंग चैंपियन जाकुब मेंसिक को रोमांचक मुकाबले में हराया। टियाफो ने दो मैच प्वाइंट बचाए और सातवें मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज करते हुए 7-6, 4-6, 7-6 से मैच अपने नाम किया। अब टियाफो अगले राउंड में टेरेंस एटमाने से भिड़ेंगे, जिन्होंने टॉप-10 खिलाड़ी फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को हराकर बड़ा उलटफेर किया।

बीसीसीआई रखेगा अब खिलाड़ियों और स्टाफ नजर, जर्सी से लेकर नेट्स तक सख्त नियम, उल्लंघन पर खैर नहीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बीसीसीआई ने आईपीएल 2026 से पहले सख्त नियम लागू किए हैं। जहां खिलाड़ियों और स्टाफ पर पैनी नजर रखी जाएगी। इनमें अभ्यास से लेकर मैच डे और जर्सी तक हर पहलू को कवर किया गया है। बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि लापरवाही बर्दाशत नहीं होगी। हर उल्लंघन पर सख्त कार्रवा की जाएगी जिसमें जुर्माना और चेतावनी शामिल हैं। नए सीजन से पहले जारी ये दिशा-निर्देश इस बात का संकेत हैं कि आईपीएल 2026 में अनुशासन ही सबसे बड़ा नियम होगा।

आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच 28 मार्च को बेंगलुरु स्थित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले बीसीसीआई ने सभी टीम मैनेजरों को अपडेटेड नियम पुस्तिका भेजी है ताकि पूरे सीजन में नियमों को सुचारू रूप से पालन सुनिश्चित किया जा सके।

36 की उम्र में 'सुपरमैन' बने मनीष पांडे हवा में उड़कर लपका कैमरून ग्रीन का कैच

कोलकाता **(एजेंसी)**। मनीष पांडे भले ही अब इंटरनेशनल क्रिकेट में ज्यादा नजर नहीं आते हों, लेकिन उनकी फील्डिंग आज भी कमाल की है। 36 साल की उम्र में भी मनीष पांडे मैदान पर गजब की फुर्ती दिखा रहे हैं। आईपीएल 2026 से पहले खेले जा रहे वॉर्मअप मैच में उन्होंने एक ऐसा कैच पकड़ा, जिसे देखकर सभी हैरान रह गए और सोशल मीडिया पर भी यह कैच तेजी से वायरल हो रहा है। आईपीएल 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स वार्मअप मैच खेल रही है। इस मैच में कैमरून ग्रीन ने नवदीप सैनी की फुलटॉस गेंद पर सामने की ओर शॉट खेला। वाइड लॉन्ग ऑफ पर खड़े मनीष पांडे ने दाहिनी ओर दौड़ लगाई और हवा में उड़ते हुए शानदार कैच लपक लिया। ग्रीन ने आउट होने से पहले 30 गेंदों पर 52 रन बनाए थे।

यह केकेआर का दूसरा वॉर्मअप मैच था। अजिंक्य रहाणे की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 249 रन बनाए। रहाणे ने 25 गेंदों पर 58 रन ठोके, जबकि फिल एलन ने 16 गेंद पर 31 रन बनाए। रमनदीप सिंह ने 15 गेंद पर 42 रन की तेज पारी खेली।

मनीष पांडे की कप्तानी वाली टीम ने 13वें ओवर में 91 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद टारगेट 190 रन कर दिया गया। मैच आखिरी गेंद तक गया, जहां कार्तिक त्यागी ने एक रन से रहाणे की टीम को जीत दिला दी। टिम सिफर्ट ने 24 गेंद पर 42 रन और राहुल त्रिपाठी ने 19 गेंद पर 42 रन बनाए। आईपीएल 2026 में केकेआर का पहला मुकाबला मुंबई इंडियंस से 29 मार्च को वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। केकेआर तीन बार की आईपीएल चैंपियन टीम है, लेकिन पिछले सीजन टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई थी। इस बार टीम बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी।

यूपी सरकार का बड़ा फैसला, रिंकू सिंह को मिली रीजनल स्पोर्ट्स ऑफिसर (आरएसओ) की बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा सम्मान दिया है। उनकी शानदार उपलब्धि को देखते हुए राज्य सरकार ने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने का किया है।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर इतिहास रच दिया। भारत टी20 वर्ल्ड कप का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली टीम बनी और तीसरी बार यह खिताब अपने नाम किया। यह टूर्नामेंट रिंकू सिंह के लिए भावनात्मक रूप से काफी कठिन रहा, क्योंकि टूर्नामेंट के दौरान ही उनके पिता का कैंसर से निधन हो गया था। इसके बावजूद रिंकू टीम से दोबारा जुड़े और बाकी मैच खेले।

रिंकू सिंह के योगदान को सम्मान देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें रीजनल स्पोर्ट्स ऑफिसर (आरएसओ) नियुक्त करने का फैसला किया है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार ने एक योजना शुरू की है, जिसके तहत राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी और नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी राजकुमार पाल को डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) बनाया जाएगा। वह पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। पैरालंपिक हाई जंप गोल्ड मेडलिस्ट प्रवीण कुमार को भी डीएसपी बनाया जाएगा। पैरालंपिक जेवलिन थ्रो सिल्वर मेडलिस्ट अजीत सिंह को जिला पंचायत राज अधिकारी बनाया जाएगा। पैरालंपिक 200 मीटर ब्रॉन्ज मेडलिस्ट सिमरन को भी इसी पद पर नियुक्ति मिलेगी। इन सभी खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोक भवन में आयोजित सम्मान समारोह में नियुक्ति पत्र सौंपेंगे।

सरकार ने 2024-25 के लिए 9 खिलाड़ियों को लक्ष्मण अवॉर्ड और रानी लक्ष्मीबाई अवॉर्ड देने का भी फैसला किया है। हर विजेता को 3.11 लाख रुपये नकद और कांस्य प्रतिमा दी जाएगी। लक्ष्मण अवॉर्ड विजेता (जनरल कैटेगरी): उत्तम सिंह, विनय, अभिजीत कुमार, विक्रांत बालियान, सागर दांगी

रानी लक्ष्मीबाई अवॉर्ड विजेता (जनरल कैटेगरी): भानु पाठक, दीपक कुमार, तान्या चौधरी, तनुश्री पांडे, ओम यादव, राजकुमार पाल, यश कुमार, मुस्कान यादव, अभय सिंह; रानी लक्ष्मीबाई अवॉर्ड विजेता (पैरा कैटेगरी): श्रवण कुमार, यश तोमर, ईशान खान, प्रगति केसरीवानी, वंतिका अग्रवाल; उत्तर प्रदेश सरकार का यह कदम खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

मंधाना अपने स्थान पर कायम, हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंची

दुबई **(एजेंसी)**। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में बल्लेबाजों की रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा है जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर मंगलवार को यहां जारी नवीनतम रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गईं। मंधाना के अलावा आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा शीर्ष 10 में शामिल दूसरी भारतीय खिलाड़ी है। उन्होंने अपना छठा स्थान बरकरार रखा है, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स संयुक्त 11वें स्थान पर बनी हुई हैं। गेंदबाजी विभाग में स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर छठे स्थान पर बनी हुई हैं। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी शीर्ष 10 से बाहर होकर 11वें स्थान पर खिसक गई है। दीप्ति ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी तीसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुईं, जबकि न्यूजीलैंड की स्टार सोफी डिवाइन के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो अर्धशतकों ने उन्हें सूची में दो स्थान ऊपर18वें स्थान पर पहुंचने में मदद की।

रवांडा की 15 वर्षीय फैनी उटागुशिमानिंदे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने पदार्पण मैच में (घाना के खिलाफ) शतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला खिलाड़ी बनी। यही नहीं वह पुरुष और महिला क्रिकेट में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शतक लगाने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बनी। इससे उन्होंने 66वें स्थान पर रैंकिंग में प्रवेश किया है।

डॉक्टर बनने निकली थीं कंगना रनौत बगावत कर बनीं बॉलीवुड की 'पंगा क्वीन'

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत आज यानी की 23 मार्च को अपना 40वां जन्मदिन मना रही हैं। बचपन से जिद्दी और आत्मविश्वासी कंगना रनौत ने अपनी मेहनत से बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इंडस्ट्री में कंगना रनौत अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने हमेशा खुलकर अपनी बात सामने रखी। आज कंगना रनौत न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी हैं।

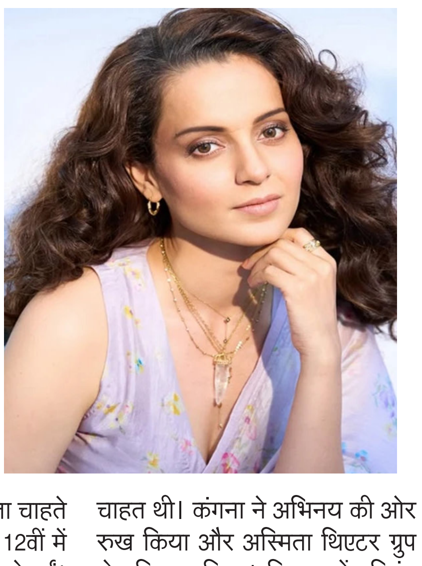

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के भांबला कस्बे में 23 मार्च 1986 को कंगना रनौत का जन्म हुआ था। उनके पिता बिजनेसमैन और मां स्कूल टीचर थीं। कंगना के माता-पिता चाहते थे कि वह डॉक्टर बनें, लेकिन 12वीं में केमिस्ट्री के यूनिट टेस्ट में फेल हो गईं। जिसके बाद उन्होंने डॉक्टर बनने का सपना छोड़ दिया।

करियर के शुरूआत में कंगना रनौत ने मॉडलिंग की कोशिश की, लेकिन इसमें उनका मन नहीं लगा। क्योंकि कंगना में कुछ नया और रचनात्मक करने की चाहत थी। कंगना ने अभिनय की ओर रुख किया और अस्मिता थिएटर ग्रुप से प्रशिक्षण लिया। थिएटर में एक्टिंग सीखने के बाद कंगना रनौत ने फिल्मी दुनिया में कदम रखा था।

साल 2005 में फिल्म 'गैंगस्टर' से कंगना रनौत ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने सिमरन नामक शराबी लड़की का किरदार निभाकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था।

इसके बाद एक्ट्रेस 'तनु वेड्स मनु', 'फैशन', 'क्वीन', 'तनु वेड्स मनु रिटर्न्स', 'थलाइवी', 'पंगा' और 'वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई' आदि फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से खुद को इंडस्ट्री में सशक्त अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया। साल 2013 में कंगना रनौत की सबसे बड़ी फिल्म 'क्वीन' आई। इस फिल्म से कंगना को बॉलीवुड की 'क्वीन' का दर्जा मिला था। अपने 20 साल के फिल्मी करियर में कंगना रनौत ने 4 राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और 4 फिल्मफेयर अवॉर्ड समेत कई पुरस्कार जीते। इसके अलावा कंगना को भारत सरकार द्वारा चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से भी सम्मानित किया जा चुका है।

पश्चिम रेलवे

सीसीटीवी आधारित निगरानी प्रणाली की व्यवस्था

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (समन्वय), द्वितीय तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008 द्वारा ई-निविदा संख्या एसजी-623-1823-डब्ल्यूए, दिनांक 20.03.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नामः** मुंबई सेंट्रल स्थित जगजीवन राम अस्पताल में पांच वर्षों के लिए किराये के आधार पर सीसीटीवी आधारित निगरानी प्रणाली की व्यवस्था। **कार्य की लागतः** 59,17,619.44 रुपये। **निविदा सुरक्षा राशिः** 1,18,400 रुपये। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** 13.04.2026 को 15:00 बजे तक। निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 13.04.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। **1253**

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

स्पेयर ब्रिज मास्ट की व्यवस्था

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (उप), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008 द्वारा ई-निविदा संख्याः डब्ल्यूआर-एमएमसीटी-ओईएस-यूबी(ईएसओटी)/23/2025 (आरटी), दिनांक 18.03.2026 आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नामः** चर्चगेट - विरार खंड में स्पेयर ब्रिज मास्ट की व्यवस्था। **कार्य की अनुमानित लागतः** 60,94,086 रुपये। **निविदा सुरक्षा राशिः** 1,21,900 रुपये। **निविदा बंद होने की तिथि व समयः** 16.04.2026 को 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि व समयः** 16.04.2026 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। **1249**

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या DRM-BRC 206 to 210 OF 2025-26

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डिविजनल रेलवे मैनेजर (WA/C), वेस्टर्न रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004 द्वारा नीचे दिए गए कामों के लिए सीलबंद ई-निविदा मंगाए गए हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में)	जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा (रुपये में)	निविदा प्रस्तुत करने तथा निविदा खोलने की तिथि एवं समय
1	**DRM BRC 206 of 2025-26** वडोदरा मंडल: (ST-BRC) खंड पर ब्रिज सं. 452 एवं 502 (कुल 02 पुलों) के वेल कैप, वेल स्टेनिंग तथा पियर का एपॉक्सी ग्राउटिंग द्वारा पुनर्वास एवं पानी के अंदर पियर निरीक्षण का कार्य (पुनःआमंत्रित) (R-1)।	1,54,93.908.43	3,09,900.00	निविदा दिनांक 09.04.2026 को 15.00 बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है तथा उसी तिथि को 15.30 बजे खोली जानी है।
2	**DRM BR 207 0 2025-26.** आणंद-गोधरा सेक्शन: किमी 44/640 पर स्थित मौजूदा आर्च ब्रिज सं. 58 को मजबूत करने का प्रस्तावित कार्य।	6.12.05.057.11	12.24,100.00	निविदा दिनांक 09.04.2026 को 15.00 बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है तथा उसी तिथि को 15.30 बजे खोली जानी है।
3	**DRM BRC 208 of 2025-26.** SSE/P.Way/DB के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ट्रैक रखरखाव गतिविधियों की दो वर्षों के लिए आउटसोर्सिंग।	3,90,69,913.28	7,81,400.00	निविदा दिनांक 09.04.2026 को 15.00 बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है तथा उसी तिथि को 15.30 बजे खोली जानी है।
4	**DRM BRC 209 of 2025-26.** वडोदरा मंडल: वडोदरा यार्ड (02 संख्या), गोधरा, नडियाद एवं भरूच में सामुदायिक भवन/संस्थान का सुधार कार्य।	3.98,74,751.39	7,97,500.00	निविदा दिनांक 09.04.2026 को 15.00 बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है तथा उसी तिथि को 15.30 बजे खोली जानी है।
5	**DRM BRC 210 of 2025-26.** वडोदरा (P): स्टेशन के फसाड एवं सर्कुलेटिंग एरिया का सुधार, यात्री सुविधाओं का उन्नयन, नई गाइडलाइनों के अनुसार दिव्यांगजन सुविधाओं की कमी की पूर्ति, लिफ्ट की व्यवस्था तथा विश्वामित्री स्टेशन पर प्लेटफॉर्म सं. 1/2 एवं 3/4 का विस्तार।	40,20,87.597.03	80,41,800.00	निविदा दिनांक 13.04.2026 को 15.00 बजे से पहले प्रस्तुत की जानी है तथा उसी तिथि को 15.30 बजे खोली जानी है।

वेबसाइट विवरण तथा उस स्थान के निर्देश जहां पूर्ण विवरण देखा जा सकता है तथा निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है कार्यालय का पताः वेबसाइटः www.ireps.gov.in. मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए/सी) पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390 004.

BRC 401

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

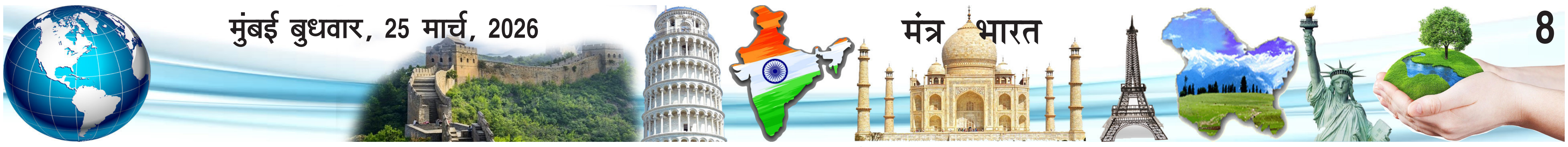

पटवारी का बड़ा ऐलान : 2028 में कांग्रेस की सरकार बनी तो इंदौर दूषित पानी से मरे 35 लोगों के दोषियों को जेल करवाऊंगा

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर तीखा बयान सामने आया है। जीतू पटवारी ने इंदौर में कथित जहरीले पानी की घटना को लेकर सत्ताधारी दल पर गंभीर आरोप लगाए हैं और बड़ा राजनीतिक बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि भाजपा सरकार ने इंदौर दूषित पानी से मरे 35 लोगों के मौत के जिम्मेदारों को सजा नहीं दिलाई, लेकिन कांग्रेस की सरकार में सभी दोषियों पर बड़ी कार्रवाई करेंगे और उन्होंने जेल भिजवाएंगे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि इंदौर में जहरीले पानी की वजह से 35 लोगों की मौत हो गई, लेकिन इसके बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने जिम्मेदार महापौर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने इसे प्रशासनिक विफलता बताते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा किया।

पटवारी ने कहा कि अगर 2028 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सरकार बनती है, तो इस मामले में जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने दावा किया कि दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। जीतू पटवारी ने कहा कि मैं वचन देता हूं इंदौर शहर की जनता को आरोपियों को सजा दिलवाकर रहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर भाजपा नेताओं के भ्रष्टाचार का पता लगाना है तो किसी रॉकेट साइंस की जरूरत नहीं है। अपने स्थानीय भाजपा नेता की 10 साल पहले की जीवन शैली को देखो और आज की जीवनशैली को देखो, अपने आप पता चल जाएगा। अगर उसमें आर्थिक बदलाव आया है तो यह आपके खून पसीने के पैसे के भ्रष्टाचार से आया है। इंदौर शहर को भारतीय जनता पार्टी ने जो लूटा उसके कारण उनकी जीवन शैली में बदलाव आया है।

इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस जहां इस मुद्दे को लेकर आक्रामक रुख अपना रही है, वहीं भाजपा की ओर से भी इस पर जवाब आने की संभावना है।

हालांकि, इस पूरे मामले में आधिकारिक जांच और तथ्यों का सामने आना अभी बाकी है। ऐसे में सभी की नजर प्रशासनिक रिपोर्ट और आगे की कार्रवाई पर टिकी हुई है। कुल मिलाकर, इस बयान ने एक बार फिर प्रदेश में सियासी माहौल को गरमा दिया है और आने वाले समय में यह मुद्दा और तूल पकड़ सकता है।

पूर्व राजनयिक का बड़ा दावा : अमेरिका-ईरान में अब डील संभव, ट्रंप के यू-टर्न से बदला खेल!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच अब हालात बदलते नजर आ रहे हैं। भारत के पूर्व राजनयिक अशोक सज्जनहर ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान तनाव कम होने के संकेत दे रहे हैं। सज्जनहर के मुताबिक, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान के खिलाफ अभियान शुरू किया था, तब जो लक्ष्य तय किए गए थे, वे पूरी तरह हासिल नहीं हो पाए। इसी वजह से अब अमेरिका अपनी रणनीति बदलता दिख रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका पर अंदरूनी और बाहरी दोनों तरह का दबाव बढ़ रहा है। देश में बढ़ती महंगाई, तेल की कीमतों में उछाल और युद्ध के खिलाफ विरोध जैसे कारण भी फैसलों को प्रभावित कर रहे हैं। इसके अलावा अमेरिका में आने वाले चुनाव भी एक बड़ा फैक्टर हैं।

इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा फैसला लेते हुए ईरान के पावर प्लांट्स पर होने वाले हमलों को 5 दिनों के लिए टाल दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका

और ईरान के बीच 'अच्छी और सकारात्मक बातचीत' चल रही है। यह कदम ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच युद्ध अपने चौथे हफ्ते में पहुंच चुका है और पूरी दुनिया ऊर्जा संकट को लेकर चिंतित है। पहले ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी दी थी कि अगर उसने होर्मुज जलडमरूमध्य नहीं खोला, तो अमेरिका कड़े हमले करेगा। इसके जवाब में ईरान ने भी धमकी दी थी कि वह पूरे क्षेत्र के तेल और ऊर्जा ढांचे को निशाना बना सकता है।

सज्जनहर ने पाकिस्तान को लेकर भी बयान दिया और कहा कि पाकिस्तान इस मामले में भरोसेमंद मध्यस्थ नहीं है। उनके अनुसार, पारंपरिक मध्यस्थ जैसे ओमान और कतर ज्यादा प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। ट्रंप का रुख नरम होना और हमलों को टालना इस बात का संकेत है कि अब युद्ध से ज्यादा बातचीत पर जोर दिया जा रहा है। अगर यह प्रक्रिया जारी रहती है, तो मिडिल ईस्ट में तनाव कम हो सकता है।

राहुल गांधी पर बरसी भाजपा, कहा- संसद में शोर मचाने के बजाय हिमाचल के हालात पर दें ध्यान

शिमला **(एजेंसी)**। हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा ने मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को भाजपा नेताओं ने राज्य में वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए दावा किया कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति पूरी तरह चरमरा गई है। भाजपा ने अब हिमाचल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग उठा दी है। भाजपा राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन ने राज्य सरकार पर तीखे हमले किए। महाजन ने दावा किया कि हालिया बजट राज्य की बदहाल माली हालत का सबूत है। उन्होंने इसे वित्तीय आपातकाल करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए पेट्रोल और डीजल जैसी आवश्यक वस्तुओं पर भारी टैक्स लगाकर जनता की कमर तोड़ रही है। 'कांग्रेस कुछ भी संभालने में असमर्थ है, हम राष्ट्रपति शासन की मांग करेंगे, 'महाजन ने कहा।

हर्ष महाजन ने कहा कि राहुल गांधी के पास विजन की कमी है, जिसका असर कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के कामकाज पर दिख रहा है। सांसद सिकंदर कुमार ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी को संसद में हंगामा करने के बजाय अपने राज्यों की स्थिति पर आत्ममंथन करना चाहिए और वहां के नेताओं को सही दिशा देनी चाहिए।

सांसद सिकंदर कुमार ने एक चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश के बजट में 4, 000 करोड़ रुपये की कटौती की गई है, जो कांग्रेस शासन के तहत एक 'चिंताजनक और ऐतिहासिक' गिरावट है। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों की तारीफ करते हुए कहा कि केंद्रीय योजनाएं दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी राज्यों को लाभ पहुंचाती हैं। भाजपा सांसद मदन राठौर ने राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए कहा कि विपक्ष के नेता को संसदीय प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी को बिजनेस एडवाइजरी कमेटी या जीरो आवर के जरिए मुद्दे उठाने चाहिए। वे कभी सही माध्यम का इस्तेमाल नहीं करते और सिर्फ सुर्खियां बटोरने के बहाने ढूंढते हैं।'

'हॉलीवुड में उनके साथ कोई काम नहीं करना चाहता' प्रिंस हैरी और मेगन मार्कल की साख पर उठे सवाल

ब्रिटिश शाही परिवार को छोड़कर अमेरिका में बसने वाले प्रिंस हैरी और मेगन मार्कल एक बार फिर तीखी आलोचनाओं के घेरे में हैं। मनोरंजन जगत की प्रतिष्ठित पत्रिका 'वैराइटी' की एक हालिया रिपोर्ट के बाद हॉलीवुड में उनके भविष्य और नेटफ्लिक्स के साथ उनकी साझेदारी पर काले बादल मंडराने लगे हैं।

शाही परिवार के विशेषज्ञ और कमेंटेटर केविन ओ'सुल्लीवन ने 'टॉकटीवी' पर चर्चा के दौरान इस कपल को हॉलीवुड के लिए 'विषाक्त' करार दिया है। उन्होंने दावा किया कि अब फिल्म नगरी में उनके साथ कोई भी काम करने को तैयार नहीं है। ओ'सुल्लीवन के हवाले से डेली एक्सप्रेस ने लिखाः 'कोई भी उनके साथ काम नहीं करना चाहता। अब उनके पास कोई पैसा नहीं आ रहा है; उनका हॉलीवुड का सपना एक बड़ी आपदा में बदल गया है। यह किसी बुरे सपने जैसा नहीं है क्या?'

शाही जीवनी लेखिका एंजेला लेविन ने भी ओ'सुल्लीवन की बातों से सहमति जताई। लेविन का मानना है कि मेगन अपनी समस्याओं के लिए कभी खुद को जिम्मेदार

नहीं मानतीं। उन्होंने कहा, 'मेगन को लगता है कि वह परफेक्ट हैं। उन्हें लगता है कि वह सबसे अद्भुत, बुद्धिमान और सुंदर लड़की हैं, जबकि जीवन में जब चीजें गलत होती हैं, तो हमें आत्म-निरीक्षण करना चाहिए।' लेविन ने एक घटना का भी जिक्र किया जहाँ उन्होंने कथित तौर पर मेगन को अपनी एक गर्भवती दोस्त के साथ '[illegible]' चुराने की कोशिश करते देखा था। '[illegible]' की रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले दावे शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक, मेगन हॉलीवुड को 'अपना इलाका' मानती हैं और बातचीत के दौरान हैरी की बातों को बीच में ही काट देती हैं या उनकी सोच को दूसरी दिशा में मोड़ देती हैं।

इस जोड़े के वकील, माइकल जे. कम्प ने इस दावे का कड़ा जवाब दिया। उन्होंने इसे मेगन द्वारा अपने पति पर हुक्म चलाने का 'औरतों के प्रति पूर्वाग्रह से भरा चित्रण' बताया। खुद प्रिंस हैरी ने कथित तौर पर इस दावे को 'पूरी तरह से झूठा' बताया। रिपोर्ट में एक और दावा किया गया था कि मेगन नेटफ्लिक्स की टीमों के साथ ज़ूम कॉल के दौरान लंबे समय तक गायब हो जाती थीं। कथित तौर पर उनकी टीम बाद में नेटफ्लिक्स के कर्मचारियों को बताती थी कि मीटिंग के दौरान कही गई किसी बात से वह नाराज़ हो गई थीं।

मेगन के वकील ने इस पर जवाब दिया। उनके अनुसार, पूर्व डचेस घर से ही काम करती हैं और 4 और 6 साल के दो छोटे बच्चों की माँ हैं। उनका दावा है कि उनकी गैर-मौजूदगी की एकमात्र वजह यह थी कि उनके बच्चे अचानक कमरे में आ जाते थे।

7.6 तीव्रता के भूकंप के झटकों से कांपी धरती, डरे सहमे लोग घरों से भागे बाहर

कैनबरा **(एजेंसी)**। ओशिनिया क्षेत्र के द्वीपीय देश टोंगा के पास मंगलवार को तेज भूकंप दर्ज किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.6 मापी गई। राहत की बात यह है कि अब तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है।

नेयाफू के पास यह भूकंप स्थानीय समय के अनुसार सुबह करीब 9:37 बजे आया। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप का केंद्र जमीन से लगभग 235 किलोमीटर की गहराई में था, जिससे इसका असर सतह पर कम महसूस हुआ।

टोंगा एक द्वीपीय देश है, जिसमें करीब 171 द्वीप शामिल हैं। यह ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट से लगभग 3500 किलोमीटर दूर दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित है। भूकंप का केंद्र नेयाफू से लगभग 153 किलोमीटर पश्चिम में बताया गया है। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने स्पष्ट किया है कि भूकंप काफी गहराई में आया, इसलिए सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। इससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिली है।

इससे एक दिन पहले, 23 मार्च को भी टोंगा के हिहिफो इलाके में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसकी गहराई करीब 79.7 किलोमीटर थी। हालांकि, उसमें भी किसी नुकसान की सूचना नहीं मिली थी।

तेल अवीव में मिसाइल हमले के बाद इजरायल का पलटवार, हिजबुल्लाह का हेडक्वार्टर तबाह

तेहरान **(एजेंसी)**। इजरायली रक्षा बलों ने बताया कि तेल अवीव के मध्य में ईरानी मिसाइल हमले में छह लोग मामूली रूप से घायल हो गए हैं। इसके बाद गृह मोर्चा कमान ने आपातकालीन संगठनों के साथ मिलकर बचाव अभियान शुरू कर दिया है। इसी बीच, सोमवार की रात लेबनान में हुए हमलों के बारे में भी जानकारी साझा की गई, जिनमें हिजबुल्लाह के प्रसारण स्टेशन और उसके खुफिया इकाई मुख्यालय सहित अन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया था। एक्स पर एक पोस्ट में विवरण साझा करते हुए, इसमें कहा गया है देश के मध्य में प्रभावित क्षेत्रों में गृह मोर्चा कमान बलों के अभियानों से संबंधित दस्तावेज। गृह मोर्चा कमान के बचाव और राहत बल वर्तमान में आपातकालीन संगठनों के सहयोग से उन क्षेत्रों में काम कर रहे हैं जहां देश के मध्य में प्रभाव की रिपोर्ट प्राप्त हुई है।

आईडीएफ ने प्रभावित क्षेत्रों में लोगों से जमावड़े से बचने का आग्रह किया और जनता से जीवन रक्षक निर्देशों का पालन करने और चेतावनी मिलने पर आवश्यकतानुसार कार्रवाई करने का

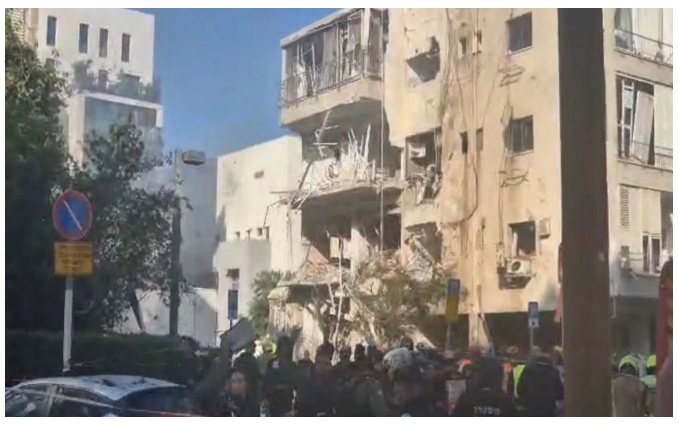

आह्वान किया। टाइम्स ऑफ इज़राइल की रिपोर्ट के अनुसार, चैनल 12 ने पुलिस के हवाले से बताया कि लगभग 100 किलोग्राम विस्फोटक से भरी एक मिसाइल ने मध्य तेल अवीव को निशाना बनाया। हमले में कई इमारतें और वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। मिसाइल के कुछ हिस्से तेल अवीव के पूर्व में स्थित रोश हा'आइन में भी गिरे। क्षेत्र में तनाव बढ़ने के साथ, आईडीएफ ने हिज़्बुल्लाह के खिलाफ अपने रात भर चले अभियानों पर अपडेट देते हुए कहा कि उसने हिज़्बुल्लाह के अधीन संचालित एक प्रसारण स्टेशन और 'रादवान फोर्स' इकाई के मुख्यालय पर हमला किया।

इससे पहले, भारतीय रक्षा बल (आईडीएफ) ने बताया था कि उसने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के ठिकानों पर रात भर में 50 से अधिक सैन्य हमले किए और उसके कमान केंद्रों, हथियार भंडारण सुविधाओं और हवाई रक्षा प्रणालियों पर हमला किया। इज़राइली रक्षा बलों ने एक्स पर एक पोस्ट में विवरण साझा करते हुए कहा कि ऑपरेशन रोरिंग लायन की शुरुआत के बाद से उसने ईरान भर में 3000 से अधिक हमले किए हैं। क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ने के बीच, अल जज़ीरा ब्रेकिंग ने मंगलवार को बगदाद में विस्फोटों की आवाज़ सुनी जाने की सूचना दी। इसमें यह भी बताया गया कि इराक में पीएमएफ बेस पर अमेरिकी हवाई हमले के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। अल जज़ीरा ब्रेकिंग ने ईरानी मीडिया का हवाला देते हुए कहा कि देश में ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमला किया गया था।

ट्रंप के बयान से शेयर बाजार में आई बहार, सेंसेक्स 1600 अंक चढ़ा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार में सोमवार की भारी गिरावट के बाद शानदार रिकवरी देखने को मिली। दोपहर 1 बजे तक सेंसेक्स 1, 617.99 अंक (2.23इ) उछलकर 74, 314.38 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 496.80 अंक (2.21इ) बढ़कर 23, 009.45 के स्तर पर कारोबार करता दिखा।

बाजार में इस तेजी के पीछे वैश्विक संकेतों का बड़ा योगदान रहा। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ सकारात्मक बातचीत का दावा करने और तनाव कम होने के संकेत मिलने से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में

नरमी और इंडिया वीआईएक्स में गिरावट ने भी बाजार को सपोर्ट दिया।

मुद्रा बाजार में भी राहत दिखी, जहां रुपया 34 पैसे मजबूत होकर 93.63 प्रति डॉलर पर खुला, जबकि सोमवार को यह 93.97 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। हालांकि, इस बीच गोल्डमैन सैक्स ने भारत की जीडीपी ग्रोथ अनुमान को 6.5इ से घटाकर 5.9इ कर दिया है, जो आगे बाजार की दिशा पर असर डाल सकता है।

कुल मिलाकर, मंगलवार को बाजार में निवेशकों का सेंटीमेंट सकारात्मक नजर आया और प्रमुख सूचकांक दिन के उच्च स्तर के करीब कारोबार करते दिखे।

कोलंबिया प्लेन क्रैश में मरने वाले सैनिकों का आंकड़ा 100 पार

टेकऑफ करते ही कैसे कब्रगाह बन गया विमान

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में हुए भयानक एयरफोर्स विमान हादसे के बाद अब जांच और राहत कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। एयरफोर्स का सी-130 हरक्यूलिस सैन्य विमान टेकऑफ के दौरान क्रैश हो गया, जिसमें 110 सैनिकों की मौत की आशंका है। यह हादसा अमेज़न क्षेत्र में पेरू सीमा के पास हुआ, जिससे पहुंच और संचार बड़ी चुनौती बन गया है। विमान में 125 लोग सवार थे । शुरुआती जांच में इंजन फेल, ओवरलोड या पायलट एरर जैसी वजहें सामने आ रही हैं। जांच टीम का सबसे बड़ा फोकस अब विमान के ब्लैक बॉक्स (फ़्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉइस रिकॉर्डर) को ढूंढने पर है। इससे विमान की आखिरी मिनटों की गतिविधि पता चलेगी। पायलट और कंट्रोल टॉवर के बीच बातचीत का रिकॉर्ड मिलेगा और तकनीकी खराबी की सटीक वजह सामने आएगी। अधिकारियों का कहना है कि ब्लैक बॉक्स मिलने के बाद ही असली कारण स्पष्ट हो पाएगा।

अमेज़न क्षेत्र में अचानक तेज बारिश, कम विजिबिलिटी और तेज हवाएं टेकऑफ के दौरान खतरा बढ़ा सकते है। कोलंबिया सरकार ने सैन्य और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम बनाई हैं जो एयरफोर्स, एविएशन एक्सपर्ट्स और सुरक्षा एजेंसियां मिलकर जांच कर रही हैं। यह हादसा कोलंबिया के लिए एक बड़ी त्रासदी बन गया है। सैनिकों के परिवार अपने प्रियजनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं।

ईरान ने स्कूल पर मिसाइल हमले का वीडियो किया जारी, 180 बच्चों की मौत का दावा

तेहरान **(एजेंसी)**। मिडिल ईस्ट के बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने एक बड़ा दावा करते हुए मिनाब शहर के एक गर्ल्स स्कूल पर कथित मिसाइल हमले का सीसीटीवी वीडियो जारी किया है। यह वीडियो इस्लामी गणतंत्र ईरान प्रसारण (आईआरआईबी) ने प्रसारित किया है।ईरान के अनुसार, यह हमला 28 फरवरी को हुआ था और इसमें 'शजरे तय्यबे' नाम के स्कूल को निशाना बनाया गया। इस हमले में 180 से ज्यादा बच्चों की मौत होने का दावा किया गया है, जिसे बेहद दर्दनाक बताया जा रहा है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि स्कूल की इमारत के चार अलग-अलग हिस्सों से एक साथ घना काला धुआं उठ रहा है। विस्फोट इतना तेज बताया जा रहा है कि इमारत की छत और दीवारें पूरी तरह ढह गईं और चारों तरफ मलबा फैल गया। आग की लपटें भी साफ दिखाई दे रही हैं। ईरानी मीडिया का कहना है कि यह हमला जानबूझकर नागरिक ठिकानों, खासकर बच्चों के स्कूल को निशाना बनाकर किया गया। इस वीडियो को ईरान अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने सबूत के रूप में पेश कर रहा है।

लेकिन इस पूरे मामले में सबसे अहम बात यह है कि इन दावों की अभी तक किसी स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने पुष्टि नहीं की है। अमेरिका की तरफ से भी इस आरोप पर कोई स्पष्ट आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इसी वजह से इस वीडियो और दावों को लेकर दुनिया भर में बहस छिड़ गई है। कुछ लोग इसे गंभीर आरोप मान रहे हैं, तो कुछ इसे अधूरी जानकारी या प्रोपेगेंडा बता रहे हैं।इस घटना के सामने आने के बाद मिडिल ईस्ट में तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि अगर यह दावा सही साबित होता है, तो यह एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन सकता है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)